Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 328 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, मंगलवार 02 जून 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री ने हेलमेट पहनकर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में आयोजित समाधान शिविर में सामुदायिक पुलिसिंग, सड़क सुरक्षा और जनजागरूकता से जुड़े अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में शामिल होकर पुलिस विभाग की विभिन्न जनहितकारी पहलों का अवलोकन किया तथा समाज में सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में छह हितग्राहियों को हेलमेट वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वयं हेलमेट पहनकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया और लोगों से दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हेलमेट केवल एक सुरक्षा उपकरण नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा करने वाला महत्वपूर्ण कवच है। यातायात नियमों का पालन कर हम स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कोंडागांव पुलिस द्वारा तैयार की गई 'उन्नयन' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन 19 पदक जीतने पर प्रधानमंत्री ने भारतीय टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण पदकों सहित कुल 19 पदक जीतकर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री ने भारतीय टीम के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश के युवा खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने खिलाड़ियों को इस सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि भारतीय खिलाड़ियों की यह उपलब्धि आने वाले वर्षों में देश के अनेक युवाओं को खेलों में करियर बनाने के लिए

प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों की सफलता भारत के खेल भविष्य को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीतने के लिए भारतीय टीम को हार्दिक बधाई।

म्यांमार में शांति व संवाद बढ़ाने भारत तैयार: मोदी

नईदिल्ली। भारत और म्यांमार ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के साथ ही व्यापार, निवेश, संपर्क, विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, सुरक्षा और सीमा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार में शांति और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में भारत हर तरह की मदद को तैयार है।

अवैध खनिज परिवहन पर एक्शन रेत, बोल्डर से लदे 8 हाईवा जब्त

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने अभियान चलाकर कार्रवाई की है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर संचालित इस अभियान में रेत और बोल्डर का अवैध परिवहन

कर रहे 8 हाइवा वाहनों को जब्त किया गया। उप संचालक खनि प्रशासन राजेश मालवे और सहायक खनि अधिकारी उमेश भार्गव के मार्गदर्शन में गठित टीम ने नारी और धमतरी क्षेत्र से रेत लेकर आ रहे 6 हाइवा, तुमगांव क्षेत्र से बोल्डर परिवहन कर रहे 2 हाइवा वाहनों की जांच की। जांच के दौरान वाहन चालकों से खनिज परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे आवश्यक कागजात पेश नहीं कर सके।

2-3 दिन में केरलम पहुंचेगा मानसून

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरल पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है।

आईएमडी के मुताबिक अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल है। बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने पहले अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरल पहुंचेगा, लेकिन बाद में इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई। अब इसके जून के पहले सप्ताह में पहुंचने की संभावना है। देशभर में फिलहाल हीटवेव का असर खत्म हो गया है। राजस्थान के अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में सोमवार को ओलावृष्टि हुई। मध्य प्रदेश के 4 जिलों में आंधी और बारिश का दौर जारी है।

नायब तहसीलदार से कथित मारपीट पर भड़का छग कर्मचारी संगठन

■ फेडरेशन की चेतावनी, कहा- अधिकारियों पर हमले नहीं रुके तो होगा आंदोलन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सरगुजा में नायब तहसीलदार के साथ कथित मारपीट की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि अगर भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोहराई गईं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि शासकीय सेवक शासन और जनता के बीच सेतु का काम करते हैं। उनके साथ अभद्र व्यवहार, धमकी या मारपीट जैसी घटनाएं न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित करती हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं को भी कमजोर करती हैं। संगठन ने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से कर्मचारियों और अधिकारियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है। फेडरेशन ने शासन-प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मामला सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित राजापुर उप तहसील का है। सीतापुर से भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो पर नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। नायब तहसीलदार का दावा है कि विधायक और उनके समर्थकों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की तथा उनके कपड़े भी फाड़ दिए। जानकारी के अनुसार विधायक की चचेरी बहन सीमा धनकी ने जमीन से जुड़े एक मामले में शाखा शोध पत्र बनवाने के लिए 14 मई को आवेदन दिया था।

बालेन शाह को लगा बड़ा झटका, भारत-नेपाल सीमा विवाद पर ब्रिटेन ने झाड़ा पल्ला

काठमांडू। भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन

जुटाने की नेपाल की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। नेपाल के पीएम बालेन शाह की ओर से ब्रिटेन से हस्तक्षेप की अपील किए जाने के बावजूद लंदन इस पूरे मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया है। लंदन ने साफ कर दिया है कि भारत-नेपाल सीमा विवाद पूरी तरह द्विपक्षीय मामला है और वह इसमें किसी भी तरह का दखल नहीं देगा। दरअसल, नेपाल सरकार ने 1816 की ऐतिहासिक सुगौली संधि का हवाला देते हुए ब्रिटेन से मध्यस्थता की मांग की थी।

फैजाबाद में पत्रकारिता के पुरोधा जनमोर्चा संपादक शीतला सिंह की स्मृति मे प्रेस क्लब में हुआ आयोजन

200 वर्ष पूर्ण होने पर हिन्दी पत्रकारिता के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

■ साहित्यकारों, शिक्षाविदों, संपादकों व वरिष्ठ पत्रकारों ने की सहभागिता

अयोध्या (विश्व परिवार)। हिन्दी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूरे होने व स्मृति शेष जनमोर्चा के संपादक रहे शीतला सिंह की याद में नगर के सिविल लाइन स्थित प्रेस क्लब में हिन्दी पत्रकारिता - अतीत, वर्तमान एवं भविष्य विषय पर व्याख्यानमाला एवं संगोष्ठी का आयोजन शनिवार को किया गया।

संगोष्ठी में वक्ता के तौर पर प्रेस कौंसिल आफ इण्डिया के पूर्व सदस्य डा. बलदेवराज गुप्ता, साहित्यकार एवं पत्रकार नासिरा शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह, प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, अरविन्द कुमार सिंह, प्रदीप जैन व साहित्यकार चन्द्रेश्वर ने अपने विचार साझा किए।

यह आयोजन जनमोर्चा हिन्दी दैनिक, हिन्दी समाचार पत्र सम्मेलन व प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान हुआ। इस मौके पर हिन्दी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूरे होने पर स्मारिका का विमोचन किया गया।

साहित्यकार एवं पत्रकार नासिरा शर्मा ने अपने उद्बोधन के शुरुआत में जनमोर्चा के संपादक रहे शीतला सिंह से जुड़ी स्मृतियों और पत्रकारिता को लेकर उनके दृष्टिकोण का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से शीतला सिंह ने स्वयं को निष्पक्ष रखते हुए पत्रकारिता के मूल्यों को जीवित रखा।

श्रीमती शर्मा ने अपनी ईरान यात्रा से जुड़े किस्से को बयां करते हुए बताया कि जब वह ईरान के शिक्षा मंत्री का इंटरव्यू लेने गयी तो उनके पहले ही सवाल पर वहां के शिक्षा मंत्री भड़क गये। उन्होंने मेरे सवाल कि %जब आप धर्म को मानते हैं तो यह कैसे पढ़ायेंगे कि दुनिया कैसे बनी है। इस पर उन्होंने कहा कि आपके तौर-तरीके ठीक नहीं हैं। आप स्वयं बसहर जायेंगी या हम सुरक्षा गार्डों को बुलायें।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता वक्त की धारा बदल देती है लेकिन अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता। उन्होंने कहा कि शिकायत यह है कि आज के दौर में दिल खोलकर बात नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि बाहर रिपोर्टिंग करने के लिए पत्रकारों के पास धन नहीं है और नुकसान होने पर भरपाई भी नहीं की जाती है। इससे पत्रकारिता का नुकसान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि एक साहित्यकार किसी भी घटना को उपान्यास के तौर पर आप तक पहुंचाने में तीन साल लगा सकता है लेकिन पत्रकार उस घटना को बहुत ही कम समय में लोगों तक पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि हूकूमतों का आना-जाना लगा रहता है लेकिन पत्राकरिता निर्भीक एवं सच्ची होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के एडीटर अपने संवाददाताओं से न तो कुछ लिखवाते हैं और न ही बुलवाते हैं। महिला पत्रकारों को समझा जाता है कि वह कुछ बोल नहीं पायेगी।

पत्रकारिता के समक्ष बढ़ती जा रही चुनौतिया: प्रदीप जैन

छत्तीसगढ़ से आये दैनिक विश्व परिवार के संपादक प्रदीप जैन ने कहा कि पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। सोशल मीडिया के एक्टिव होने से हर कोई अपने आप को पत्रकार समझ रहा है। सूचना इधर से उधर जा रही है, सूचनाओं के इधर-उधर जाने से सच्ची पत्रकारिता नहीं होती। उन्होंने बताया कि जब शीतला सिंह झांसी आते थे तो वह जनमोर्चा के लिए पहले संपादकीय लिखते थे और उसे छपने के लिए भेजने के बाद ही कोई और काम करते थे। उन्होंने बताया कि 1826 में उदन्त मार्तण्ड से शुरु हुआ हिन्दी पत्रकारिता का दौर आज अपने दौ सौ वर्ष पूरे कर रहा है।

लोकतन्त्र में जनता ही मालिक: डा. बलदेवराज गुप्ता

प्रेस कौंसिल ऑफ इण्डिया के पूर्व सदस्य डा. बलदेवराज गुप्ता ने कहा कि भाषा जो चलन में रहे वही सही है। उन्होंने जावेद अख्तर से जुड़ा संस्मरण सुनाते हुए बताया कि एक महफिल में कैसे कोई दीवार की हिन्दी नहीं बता पाया था। उन्होंने कहा कि अतीत हमें हिम्मत देता है कि हम आगे कैसे बढ़ें। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का भविष्य डिजिटल हो गया है। आज की पत्रकारिता में खबर के स्रोत का वेरीफिकेशन नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले भी पत्रकारिता में कंटेन्ट की कमी हुआ करती थी आज भी कंटेन्ट की कमी है। किसी गलत आदमी के हाथ में टेक्नालोजी जाने पर उसके बर्बाद होने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। एआई के गलत हाथों में जाने से पत्रकारिता का नुकसान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले के दौर में पत्रकारिता में बकैती नहीं थी। आज के दौर में लोग तैयारी करके नहीं जाते और बकैती करते हैं। आज के दौर में लोग ब्रेकिंग न्यूज के चक्कर में परेशान हैं। उन्होंने कहा कि खबर सूंघकर लिखने की क्षमता होनी चाहिए। सूचना सुनना, पढ़ना व देखना शुरु करिए इससे ही हल निकलेगा। धर्म के नाम पर पहले भी झगड़ा होता था आज भी होता है इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आपका मंच सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए खुला रहना चाहिए। जीत जनता की होगी, लोकतन्त्र में जनता ही मालिक है। उन्होंने कहा कि बकैती पत्रकारिता बन्द करके सड़क पर उतरना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में दो शब्द चुराये गये हैं जिसमें पहला शब्द फकीर है जो कि विस्टर्न चर्चिल ने महात्मा गांधी के लिए प्रयोग किया था। दूसरा शब्द प्रधान सेवक है जो पं. जवाहर लाल नेहरु के लिए प्रयोग होता था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री व मनमोहन सिंह की ईमानदारी की कसौटी पर वर्तमान प्रधानमंत्री को परख कर देखिए हालात का पता चल जायेगा।

पत्रकारिता काल के पीछे दौड़ने की प्रक्रिया है : प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी

प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आज के दौर में जो सच्ची पत्रकारिता कर रहा है वह बहुत ही हिम्मत का काम है। उन्होंने बताया कि किस तरह से एक संपादक ने कहा कि कन्टेन्ट इज नथिंग केवल आज के दौर की पत्रकारिता की चकाचौंध देखिए। उन्होंने बताया कि जब अखबार कलर होने लगे तो मैंने कंटेन्ट पर उनके विचार जानना चाहा। इस पर मुझे मीटिंग में बुलाया जाना बन्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में बासी खबरों को अखबार में सजाया जा रहा है। उन्होंने कहाकि पत्रकारिता काल के पीछे-पीछे दौड़ने की एक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि यह भी शोध होना चाहिए कि मुश्किल दौर में कौन-कौन अखबार सीना तान कर खड़ा रहा और कौन शुतुर्रमुर्गी मुद्रा अपनाये हुए हैं।

प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता दैवीय विधा नहीं है। तमाम जगह नारद को पहला पत्रकार बताया जाता है यह सही नहीं है। आज के दौर में पूजन की परम्परा बढ़ती जा रही है इसीलिए नारद को पत्रकारिता का आदर्श बताया जाता है। आज के पत्रकारों में नचिकेता जैसा प्रश्न पूछने का साहस होना चाहिए, चाहे वह प्रश्न अपने पिता से पूछना हो या फिर मौत के देवता यमराज से पूछना हो।

उन्होंने कहा कि भविष्य के आसार बन रहे हैं उनमें कोई समाचार पत्र पढ़ने की जहमत नहीं उठायेगा। आदमी की पढ़ने की रूचि कम हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण मोबाइल है।

○ शेष समाचार पृष्ठ 7 पर...

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर संभाग
रायपुर, मंगलवार 02 जून 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

कच्चे घर की चिंता से मिली मुक्ति, अब चैन की नींद सोएगा चमन लाल का परिवार

रायपुर (विश्व परिवार)। कभी बारिश की बूंदों के साथ टपकती छत, आंधी-तूफन की चिंता और कच्चे घर की असुरक्षा में गुजरती रातेंज लेकिन अब वही परिवार पक्के घर की सुरक्षित छत के नीचे सुकून और सम्मान के साथ नई जिंदगी की शुरुआत कर रहा है। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राही श्री चमन लाल पवार के नवनिर्मित आवास में सपरिवार गृह प्रवेश कराकर एक परिवार के वर्षों पुराने सपने को साकार किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने परिवार से आत्मीय संवाद करते हुए उनके जीवन में आए बदलाव की जानकारी ली और कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति के जीवन में वास्तविक परिवर्तन सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर एक विशेष उपलब्धि भी सामने आई। श्री चमन लाल का आवास बस्तर संभाग का पहला ऐसा प्रधानमंत्री आवास बन गया है, जहां प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम भी स्थापित किया गया है। यह पहल ग्रामीण विकास, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरी है। एक ही परिवार को आवास सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा सुविधा का लाभ मिलना शासन की समन्वित विकास सोच को भी प्रतिबिंबित करता है।

श्री चमन लाल पवार ने बताया कि

वर्षों तक उनका परिवार कच्चे मकान में रहने को विवश था। बरसात के दिनों में छत टपकती थी और तेज हवा या खराब मौसम में पूरी रात चिंता में बीतती थी। बच्चों और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार डर बना रहता था। उन्होंने कहा कि अब पक्का मकान मिलने के बाद जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का एहसास हुआ है।

श्री पवार ने कहा कि अब बारिश और आंधी-तूफन की चिंता नहीं रहती। छत नहीं टपकेगी और पूरा परिवार चैन की नींद सो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह मकान केवल एक घर नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा, आत्मविश्वास और नए जीवन की शुरुआत है।

एक परिवार, कई जनकल्याणकारी योजनाओं का संबल :- श्री चमन लाल का परिवार शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है। उनकी पत्नी श्रीमती घंसतीन बाई तथा बहू श्रीमती संगीता पवार को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत नियमित आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। खेती-किसानी के लिए भी परिवार को विभिन्न शासकीय योजनाओं का सहयोग मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और परिवार आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पीएम आवास और पीएम सूर्य घर का अभिनव संगम :- परिवार ने अपने नए घर में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम भी स्थापित कराया है, जिससे घरेलू बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है और बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। यह मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा बचत और आत्मनिर्भरता की नई संभावनाओं को मजबूत करने वाला उदाहरण बन गया है।

बस्तर संभाग का पहला ऐसा प्रधानमंत्री आवास, जहां पीएम सूर्य घर योजना का लाभ भी जुड़ा है, शासन की बहु-आयामी और समन्वित विकास नीति का प्रतीक बनकर सामने आया है। यह पहल केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित जीवन, आर्थिक राहत और पर्यावरण संरक्षण जैसे व्यापक लक्ष्यों को भी आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार :- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मुलाकात के दौरान श्री चमन लाल पवार और उनके परिवार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना और पीएम सूर्य घर योजना ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है।ग्राम बड़ेकनेरा का यह परिवार इस बात का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया है कि जब शासन की योजनाएं प्रभावी ढंग से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, तब वे केवल सुविधाएं नहीं देतीं, बल्कि जीवन में सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और नई उम्मीदों का संचार करती हैं।

सेवानिवृत्त हुए उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी रामेश्वर प्रसाद साहू को किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। विगत दिनांक 31 मई 2026 को रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी श्री रामेश्वर प्रसाद साहू रायपुर नगर पालिक निगम को निरन्तर लगभग 43 वर्ष तक सेवा देकर सेवानिवृत्त हो गए. आज सेवानिवृत्ति पर रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन सचिवालय में नगर निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय और नगर निगम सचिव श्रीमती संगीता साहू श्री ने नगर निगम मुख्यालय उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी श्री रामेश्वर प्रसाद साहू की रायपुर नगर निगम को दी गयी सेवाओं का नगर निगम मुख्यालय सचिवालय में नगर निगम सचिवालय और उद्यानिकी विभाग के सभी कर्मचारियों सहित बुके, श्रीफल शाल, स्मृतिचिन्ह प्रदत्त कर सम्मान किया और उनके सुदीर्घ, स्वस्थ, सुखी जीवन हेतु उन्हें हार्दिक मंगलकामनायें दीं.

बड़े कनेरा में मिलीं 150 वर्ष पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियां

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा से जुड़े अमूल्य विरासत संरक्षण के प्रयासों को नई प्रेरणा देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार के अंतर्गत कोंडागांव जिले के ग्राम बड़े कनेरा का दौरा किया। यहां उन्होंने ज्ञान भारतम् अभियान के तहत संरक्षित लगभग 150 वर्ष पुरानी उड़िया भाषा में लिखित प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन किया और उनके संरक्षण में जुटे परिवारों की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम निवासी श्री रामूराम यादव से मुलाकात कर उनके पास सुरक्षित रखी गई आठ प्राचीन पांडुलिपियों को देखा तथा उनके इतिहास, उपयोग और संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें केवल पुस्तकीय विरासत नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली की जीवंत पहचान हैं। इन्हें संरक्षित रखना आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से

जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने पीढ़ियों से इन पांडुलिपियों को सहेजकर रखने वाले परिवारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज की भागीदारी के बिना सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण संभव नहीं है। जिन परिवारों ने दशकों तक इन धरोहरों को सुरक्षित रखा है, वे वास्तव में हमारी ज्ञान-संपदा के संरक्षक हैं।इस अवसर पर बड़े कनेरा के श्री हरदू कश्यप, श्री परमेश्वर मानिकपुरी, अमरावती के श्री त्रिलोचन मानिकपुरी, श्री पुरसोती राम मौर्य तथा कोपरा ग्राम के श्री चमरू नाग ने भी मुख्यमंत्री से चर्चा की। उन्होंने बताया कि ये पांडुलिपियां उनके दादा-परदादाओं के समय से परिवारों में संरक्षित हैं और आज भी अत्यंत सावधानीपूर्वक सुरक्षित रखी जाती हैं।संरक्षकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इन पांडुलिपियों में पंजीयार, पंजी, पुराण, पंचांग तथा चक्रकूट पंचांग जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ शामिल हैं, जिनका उपयोग परंपरागत ज्ञान, धार्मिक अनुष्ठानों, सामाजिक व्यवस्थाओं तथा ज्योतिषीय गणनाओं में किया जाता रहा है। इन ग्रंथों में स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक विधानों और समय गणना की विशिष्ट प्रणालियों का भी उल्लेख मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पांडुलिपियों के अध्ययन की प्रक्रिया, उन्हें पढ़ने-समझने की पारंपरिक पद्धतियों तथा वर्तमान समय में उनके संरक्षण की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में प्राचीन ज्ञान-संपदा के संरक्षण, डिजिटलीकरण और व्यवस्थित दस्तावेजीकरण की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान पंपरा से जुड़ी रह सकें।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संचालित ज्ञान भारतम् अभियान देश की प्राचीन पांडुलिपियों, ज्ञान परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान भारत की बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी ऐतिहासिक जड़ों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

सरकारी योजनाओं की नाकामी ढ़कने जनगणना के आंकड़े बदलने शिक्षकों पर दबाव डाला जा रहा: कांग्रेस

रायपुर। जनगणना कार्य मे लगे शिक्षकों पर वास्तविक जानकारी बदलने का दबाव डालने का आरोप लगाते हुई प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार ने पहले हर 11 साल में होने वाली जनगणना को समय पर होने नही दिया।अब जनगणना हो रही है तो जनता द्वारा दी जा रही वास्तविक जानकारी को बदलने जनगणना कार्य मे लगे शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों पर अनैतिक दबाव डाल रही है। ऐसे शिकायत लगातार मिल रही है।12 साल में केंद्र सरकार ढेर सारी योजनाओं को जन जन तक पहुँचाने एवं उससे जनता को लाभ होने का दावा कर रही थी लेकिन सच्चाई जनगणना से सामने आ रही है। जनता द्वारा दी गई जानकारी में घरों में नल नही होना, पीएम आवास नही मिलना, शौचालय नही होना,पात्र होने के बावजूद गरीबी रेखा सर्व सूची में नाम नही होना, प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, अटल पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, महतारी वंदन योजना,मुद्रा योजना का लाभ नही मिलना,आयुष्मान योजना कार्ड नही बनाना, राशन कार्ड नही होना,मनरेगा से काम नही मिलना, मुद्रा योजना से वंचित होना, सहित अन्य जानकारी दी जा रही है जिसे केंद्र सरकार के दावे खोखले साबित हो रही है इसे घबराई डबल इंजन की सरकार वास्तविक जानकारी बदलने जनगणना अधिकारियो पर दबाव बना रही है ।

उप मुख्यमंत्री साव ने विकास हेतु 2.98 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन, विकास एवं जनसेवा की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिका पंडरिया एवं नगर पंचायत पांडातराई के लिए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी द्वारा कुल ?2 करोड़ 98 लाख 48 हजार की राशि विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों हेतु स्वीकृत दी गई है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति से दोनों नगरों के विकास को नई गति मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर और आधुनिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। विदित हो की 9 जनवरी 2026 को पंडरिया नगर में आयोजित विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में छत्तीसगढ़ के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी का आगमन हुआ था। कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनता की सुविधाओं एवं पंडरिया विधानसभा के नगरीय निकायों के समुचित विकास हेतु विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों की मांग उनके समक्ष रखी, जिसके लिए माननीय उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी ने नगर पालिका पंडरिया अंतर्गत 2 करोड़ एवं नगर पंचायत पांडातराई व इन्दौरी के लिए 1-1 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की थी। जिसके तहत उप

मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी द्वारा पूर्व में नगर पंचायत इन्दौरी हेतु 1 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई थी और आज नगर पालिका पंडरिया अंतर्गत 1 करोड़ 98 लाख 48 हजार एवं नगर पंचायत पांडातराई में विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इस सौगात के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं माननीय उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों का सुनियोजित विकास निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि पंडरिया नगर में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के आगमन के दौरान क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों की मांग ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./31233/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 27-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31233
वार्ड का नाम-30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328A00143** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOHAN MOTWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **UTKARSH MOTWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOHAN MOTWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
E-mail Id- cmoksd@gmail.com

-: मैनुअल पध्दति से प्रथम निवि सामंत्रण सूचना-

क्र./345/न.पं./ लो.नि.शा./2026-27 — कसडोल, दिनांक01/06/2026

नगर पंचायत कसडोल जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 अधोसंरचना मद अंतर्गत एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति से रजिस्टर्ड / पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र अंतर्गत प्रचलित निम्न कार्य हेतु पी.डब्लू.डी. बिल्डिंग एस.ओ.आर. 01.01.2015, रोड एस.ओ.आर. 01.01.2025, से प्रभावशील के प्रतिशत दर पर निविदा प्रपत्र वेबसाइट से डाउनलोड कर मुहरबंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रारूप में पंजीकृत डॉक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि — 24/06/2026 दोप. 03:00 बजे तक
2. प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि — 24/06/2026 दोप. 04:00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	एस.ओ.आर	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य पूर्ण करने का समयावधि	निविदा फार्म/निविदाकर्ता की श्रेणी
1	वार्ड क्र. 09 में टीकम साहू घर से राहुल सहिस घर तक सी.सी. सड़क नवीनीकरण कार्य	7.37	PWD Road SOR 01.01.2025 & Building SOR 01.01.2015	5600.00	750.00	04 माह	फार्म "A"./"डी" ' श्रेणी
2	वार्ड क्र. 09 में कोमल पाठक घर से गणेश राव के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	8.06	PWD Building & SOR 01.01.2015	6100.00	750.00	04 माह	फार्म "A"./"डी" ' श्रेणी
3	वार्ड क्र. 02 में भानु यादव घर से नवा तालाब तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	3.34	PWD Road SOR 01.01.2025 & Building SOR 01.01.2015	3400.00	750.00	04 माह	फार्म "A"./"डी" ' श्रेणी
4	वार्ड क्र. 11 में साधराम निर्मलकर के घर से शिव 04 निर्मलकर घर तक सी.सी. सड़क एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	8.22	PWD Road SOR 01.01.2025 & Building SOR 01.01.2015	6200.00	750.00	04 माह	फार्म "A"./"डी" ' श्रेणी
5	वार्ड क्र. 10 में मनहरण दास घर से गोविंद तिवारी आटा चक्की तक आर.सी सी नाली निर्माण कार्य बजरंग चौक के पास गौकरण साहू घर से मनहरण घर तक एवं भावना साहू घर तक	7.55	PWD Building & SOR 01.01.2015	5700.00	750.00	04 माह	फार्म "A"./"डी" ' श्रेणी
06	वार्ड क्र. 15 में सरगबुंदिया पारा से सिरपुर रोड तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य एवं प्रिकास्ट स्लैब निर्माण कार्य	9.50	PWD Building & SOR 01.01.2015	7200.00	750.00	06 माह	फार्म "A"./"डी" ' श्रेणी

टीप :- 1. निविदा आमंत्रण सूचना, कार्यों की सूची निविदा के नियम एवं शर्तें नगर पंचायत कसडोल से कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेब साईट पोर्टल https://uad.cg.gov.in से डाउलोड कर सकते हैं।
3 निविदा हेतु भौतिक दस्तावेज रजिस्टर्ड / पंजीकृत डॉक से प्राप्त की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत कसडोल
जिला बलौदा बाजार भाटापारा

हसदेव अरण्य में कोल उत्खनन पर साय सरकार अपना मत स्पष्ट करें : कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। साय सरकार हसदेव अरण्य जंगल के बारे में अपना मत स्पष्ट करें। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि साय सरकार हसदेव में जंगल कटाई होने देगी या केंद्र की अनुमति के खिलाफ राज्य के पर्यावरण के हित में विरोध करेगी। हालांकि अभी तक ढाई साल में भाजपा सरकार ने अडानी के हितो के खिलाफकोई निर्णय नहीं लिया है। ऐसा लगता है राज्य की भाजपा सरकार अडानी के लिये चल पड़ी है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि मुनाफे के लिए सरगुजा रेंज के केते एक्सटेंशन के खुदाई का गौतम अडानी को देने के लिए केन्द्र सरकार ने अनुमति दी है। अब रामगढ़ की पहाड़ियां, प्राचीन नाट्यशाला, सीता गुफ, जानकी रसोई, प्रभु श्री राम के वन गमन पथ की पुण्य स्मृतियों को अडानी के आर्थिक लाभ के लिए संकट में डाला जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केते एक्सटेंशन ओपन कास्ट कोल माइनिंग और पिट हेड कोल वॉशरी परियोजना के लिए 1742.60 हेक्टेयर वन भूमि को गैर-वन उपयोग में बदलने की सिफरिश कर दी है। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद यह प्रस्ताव अब केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के पास भेजा गया है। केंद्र से हरी झंडी मिलते ही 5 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई का रास्ता साफहो जाएगा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्रमांक / 718/न.पा.प./तो.नि.वि./2026-27 — कवर्धा, दिनांक 01/06/2026

मैनुअल पद्धति तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में निर्माताओं / अधिकृत विक्रेताओं /फर्मो/ सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य विवरण	अनु लागत राशि (लाख में)	नि.प्र. प्रदाय करने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि
1	भवनों / उद्यानों में मरम्मत / संधारण हेतु विद्युत सामाग्री कय।	9.50	08.06.2026

2-उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा-विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगरपालिका परिषद कवर्धा.

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, जिला - रायपुर छ0ग0

इश्तिहार

क्रमांक //बी-121/2026
रायपुर, दिनांक 25/5/2026
ग्राम हीरापुर..... प0ह0नं0 .....
तहसील रायपुर, जिला-रायपुर (छ0ग0)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका/आवेदक **दुर्गेश, दुर्गेश नंदिनी जोशी पिता/पति-निशांत जोशी** द्वारा इस न्यायालय जन्म प्रमाण-पत्र बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है, आवेदक के पिता/पति पुत्र - देवांश जोशी जन्म **दिनांक 2-2-2012** को घर/ हॉस्पिटल.. में हो चुकी है। उनके जन्म उपरांत आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत जन्म प्रमाण-पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 5/06 / 2026** तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत 'कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा। आज **दिनांक 25/5/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

कार्यापालन
दण्डाधिकारी
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /31547/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 29-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31547
वार्ड का नाम-19 - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 19 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802A00396** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PIRO BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JUGNU GAUD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAXMI BAGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI DINESH BAGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल** आवास योजना के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट / **भवन क्रमांक एल.आई.जी.-16/192 द्वितीयतल में श्री विनय तुलस्यान पिता स्व. श्री बी.डी. तुलस्यान** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 06.01.2026** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी के द्वारा उक्त फ्लैट/भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 13.02.2026** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन **श्री किशन प्रसाद पिता स्व. श्री शम्भू प्रसाद** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं./31561/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 01-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31561
वार्ड का नाम-4- यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR105E00250** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **TIRVNI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMKISHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JITENDRA KUMAR CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O RAMKISHAN CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.SHAPAT PATRA 02.DEATH CERTIFICATE 03. B1 4. FAUTI NAMANTRAN 05. BATWARANAMA 06. TAX RASID KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./31560/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 01-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31560
वार्ड का नाम-41- पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR565D00211** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PUSHPA DATEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VASUDEV DANTEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHISH VASUDEV DATEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VASUDEV YADAVRAO DATEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नगर पंचायत शिवनंदनपुर का पहला चुनाव में अध्यक्ष पद के भाजपा के रितेश जायसवाल एवं कांग्रेस प्रत्याशी के संजय सोनी के बीच हुआ सीधी टक्कर

86 प्रतिशत मतदाताओं ने बंपर किया वोटिंग

अध्यक्ष एवं पार्षद प्रत्याशियों का किस्मत वोटिंग मशीन में 4 जून तक के लिए हुआ कैद

आज के संपन्न चुनाव में विभिन्न तस्वीर देखने को मिला

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-नगर पंचायत शिवनंदनपुर का अध्यक्ष एवं 15 पार्षदों के लिएहुए चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया ।

आज हुए मतदान में स्त्री पुरुषों ने जबरदस्त मतदान किया महिला पुरुषों एवं बुजुर्गों में काफी उत्साह देखने को मिला। व्हीलचेयर पर बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुषों ने चिल चिल्लाती धूप में मतदान केदो पर पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सूरजपुर जिला के विकासखंड सूरजपुर के नवगठित शिवनंदनपुर नगर पंचायत शिवनंदनपुर में आज चुनाव प्रशासन की मुस्तादी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कहीं कोई अप्रिय घटनाएं की सूचना नहीं मिली। सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील के निर्देश पर सूरजपुर एसडीम श्रीमती जायसवाल एवं पिलखा तहसील के तहसीलदार श्रीमती मीना सिंह के मार्गदर्शन में सीएमओ क्रमशः सुशील तिवारी एवं सुनील सिन्हा के देख रेख एवं मार्गदर्शन में कर्मचारियों ने सभी चुनाव प्रक्रिया है व्यवस्थित किया ।निर्धारित समय पर सभी मतदान केंदों पर विधिवत मतदान संपन्न हुआ । आज हुए मतदान प्रतिशत पर नजर डाले तो शाम 5 बजे तक 85.13 मतदान का प्रतिशत रहा जिसमें पुरुष मतदाता 1991-प्रतिशत (85.26त्न)महिला मतदाता कुल 1961 प्रतिशत85.00त्न अपना मताधिकार का प्रयोग किया इस प्रकार नगर पंचायत शिवनंदनपुर में कुल - 3952 स्त्री पुरुष मतदाताओं ने बंपर वोटिंग किया जिसका प्रतिशत 85.13त्न रहा।

कांग्रेस बीजेपी ने अपने-अपने जीत की दावा किया ऊंट किस ओर बैठेगा 4 जून को होगा स्पष्ट- नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर में आज काफी उत्साह के बीच जोश खरोश के साथ हुआ मतदान ।मतदाताओं ने बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा। भाजपा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत का किया दावा।

चुनाव संपन्न के बाद जोश खरगोश एवं नारे बाजी के बीच महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भूलन सिंह मरावी, जिला भाजपा अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, भाजपा की वरिष्ठ नेता बाबूलाल अग्रवाल ,अजय गोयल, सत्यनारायण जायसवाल, रामानंद जायसवाल ,राजेश यादव ,अजय अग्रवाल अज्जू, राजेश यादव ,इंजीनियर विनय सिंह, कलेश्वर साहू ,समीर सिंह, विजय राज अग्रवाल ,अरविंद मिश्रा, यशवंत सिंह, प्रदीप सोनी बल्लू, शंकर जिंदिया, ललित गोयल, दुर्गा शंकर जायसवाल, शंकर यादव ,कृष्ण अग्रवाल बल्लू, सीती कांत स्वाइ, हरीश राजवाड़े, कैलाश सिदार ,किशन देवांगन, श्याम नामदेव ,रश्मि तिवारी , दीपेंद्र सिंह चौहान , श्याम पांडे,भगवान मिश्र, मुकेश गर्ग, शशि तिवारी आदि नेता एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी पार्टी की जीत की दावा किया और एक दूसरे का मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया। बस स्टैंड में बीजेपी जिंदाबाद मोदी जी जिंदाबाद के नारे लगाए तथा एक दूसरे को जीत की बधाई दी।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी अपने प्रत्याशी की जीत के प्रति आशान्वित- आज हुए नगर पंचायत के चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने भी अपने सभी उम्मीदवारों को जीत के प्रति आसमान्वित दिखे तथा सभी प्रत्याशियों को मुंह मीठा कराकर बधाई दी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुधरी शशि सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुभाष गोयल , शफी अहमद, रमेश दानोदिया, नरेश राजवाड़े, मदन जायसवाल, नरेंद्र जैन, विद्या सिंह सहित अफरोज खान,अब्दुल कलाम, पवन अग्रवाल पोनी , हैदर अली, वेदप्रकाश मिश्रा, शशि सिंह, शाहरुख खान, बिहारी लाल, सोपारी लाल, दीप्ति सवाई, संजय सोनी, सुभाष गोयल, हसन खान, कैप्टन सरदार, मंटू राम सांडिल, के बी सिंह, शमीम पलीहा आदि ने भी अपने प्रत्याशियों की जीत का किया दावा तथा एक दूसरे को बधाई देकर मिठाई खिलाई। पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया 18 वर्षीय अभय शंकर दीक्षित ने और अपना मतदान करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त की।

राष्ट्र एवं सभी समाज ,संगठन के नवनिर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएं- नारायण नामदेव

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के कार्य विस्तार का एक महत्वपूर्ण आधार प्रतिवर्ष ग्रीष्मकल में आयोजित होने वाले संघ शिक्षा वर्ग है इस वर्ष छत्तीसगढ़ प्रांत का संघ शिक्षा वर्ग सामान्य विद्यार्थी एवं महाविद्यायालिन 16 मई दोपहर से साधु राम विद्या मंदिर सूरजपुर में प्रारंभ होकर 31 मई को समापन के पश्चात एक जुन को दीक्षांत समारोह के साथ संपन्न हुआ ।

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों से आए कुल 196 शिक्षार्थियों ने सहभागी लिया समापन अवसर पर साधु राम विद्या मंदिर सूरजपुर में भारी बारिश हुई इस भारी बारिश के बीच 45 मिनट तक गणसमता पदविन्यास दंड संचालन खेल योगआसन एवं सामाजिक समरस्ता प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए ।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बाल भगवान राम जी श्री योगेश्वर सिंह जी माननीय जिला संघचालक दुर्गा चरण सिंह जी माननीय प्रांत संचालक श्री टोप लाल वर्मा जी मुख्य वक्ता सह प्रांत प्रचारक श्री नारायण नामदेव जी मंच पर उपस्थित थे ।

मुख्य अतिथि श्री बाल भगवान राम जी ने कहा कि मैं रविदास समाज से हूं संत महात्मा किसी एक समाज के नहीं होते संत सभी समाज के होते हैं उनका संदेश सभी मानव जाति के कल्याण के लिए होता है इसलिए हम सबको याद रखना है कि देश सर्वोपरि है और देश के सेवा के लिए हम सबको सेवा संकल्प और समर्पण के साथ काम करना होगा ।

मुख्य वक्ता सह प्रांत प्रचारक नारायण नामदेव ने कहा कि जल वृष्टि करके सर्व शक्तिमान का आशीर्वाद हमको मिला है संघ शिक्षा वर्ग का प्रकट समारोह चल रहा है जलवृष्टि के बावजूद भी आपने शारीरिक शिक्षण का प्रदर्शन पूर्ण मनोयोग से किया है इसी कड़ी में डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन देश की दूरदर्शिता उच्च उद्देश्य की पूर्ति के लिए 1925 में नागपुर में शाखा के रूप में व्यक्ति निर्माण का कार्य प्रारंभ किया इस देश को अपना मानकर जीने मरने वाला बनाया शाखा एक बड़ी अनूठी पढ़ती है हिंदू समाज के संगठन के लिए स्वयंसेवक लगे हुए हैं हिंदू समाज जब तक बिखरा हुआ है यह संभव नहीं हो सकता इसलिए जो जो आवश्यक है स्वयंसेवक वो सब काम कर रहे हैं

अनेक संगठनों के माध्यम से सभी अपना सब कुछ लगा रहे हैं समाज में एक सकारात्मक वातावरण बना रहे हैं

माननीय प्रांत संचालक टोपलाल वर्मा जी ने दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा समर्पणभाव लेकर घर जा रहे हैं 15 दिन वर्ग में एक साथ रहने के कारण एक भाव बन गया है प्रशिक्षण के बाद हम सभी संघ के विभिन्न कार्य पद्धति को और भी स्पष्टता से देखा जाना इसका कार्य क्षेत्र में लाभ होगा आगे आप सभी का दायित्व बढ़ाने वाला है ।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर प्रभा प्रजापति बनीं आत्मनिर्भर

फल दुकान के संचालन से संपन्नता की ओर बढ़ाया कदम

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-इच्छाशक्ति, मेहनत और स्व-सहायता समूह के सहयोग से देवनगर की एक आम महिला प्रभा प्रजापति ने जीवन में बड़ा बदलाव लाने की मिसाल पेश की है। कभी मजदूरी और खेती पर निर्भर रहने वाली प्रभा आज सफल व्यवसायी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। जय माँ लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने फल दुकान का व्यवसाय शुरू किया और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की तस्वीर बदल दी।

प्रभा प्रजापति बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनका जीवन संघर्षों से भरा था। परिवार में चार बच्चों की जिम्मेदारी, सीमित आय और आर्थिक तंगी के कारण घर चलाना मुश्किल हो जाता था। पति मजदूरी और खेती का कार्य करते थे, लेकिन आमदनी इतनी नहीं थी कि परिवार की सभी जरूरतें पूरी हो सकें। किसी सदस्य के बीमार होने पर ऋण लेना उनकी मजबूरी थी।

इसी दौरान गांव में आजीविका मिशन की ओर से आईसीआरपी टीम पहुंची और महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। प्रभा ने समूह के दीदियों से मुलाकात कर समूह का महत्व को समझा और अपने आसपास की महिलाओं को भी साथ जोड़कर जय माँ लक्ष्मी स्व-सहायता समूह का गठन किया। नियमित बचत, बैठकों और समूह की गतिविधियों से उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। समूह को आरएफ मद से 15 हजार रुपये तथा सीआईएफ मद से 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई। इसके अलावा बैंक लिंकेज और मुद्रा ऋण के माध्यम से कुल 2 लाख रुपये की राशि मिली। कुल 2.60 लाख रुपये की सहायता से प्रभा ने एक ठेला तैयार कराया और केले, चना-मुर्रा सहित अन्य सामग्री बेचने का व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे व्यवसाय बढ़ता गया और आय में वृद्धि होने लगी। समय पर ऋण चुकाने के बाद उन्होंने बैंक लिंकेज से पुनः 1.50 लाख रुपये का ऋण लेकर फल और किराना दुकान का विस्तार किया। साथ ही जूस मशीन खरीदकर व्यवसाय में नया आयाम जोड़ा। आज उन्हें ठेला व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 4 से 5 हजार रुपये तथा फल दुकान से 15 से 18 हजार रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। प्रभा की वार्षिक आय अब लगभग ढाई लाख रुपये तक पहुंच चुकी है। इस आय से वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिला रही हैं, पति के लिए मोटरसाइकिल खरीद चुकी हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया है। उन्होंने अपने लिए जेवर भी खरीदा है, जो उनके आत्मनिर्भर बनने की कहानी को दर्शाता है। प्रभा प्रजापति की सफलता इस बात का प्रमाण है कि स्व-सहायता समूह महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं देते, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, सम्मान और बेहतर भविष्य की दिशा भी प्रदान करते हैं। उनकी यह प्रेरक कहानी आज क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता का संदेश बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

उधारी के पैसे के लिए बोलेरो छीनकर चलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, कोतवाली पुलिस की कड़ी कार्रवाई

जगदलपुरः उधार दिए गए पैसों की वसूली के नाम पर वाहन छीनकर जबरन उपयोग करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों ने प्रार्थी को डराकर उसकी नई बोलेरो गाड़ी अपने कब्जे में रख ली थी और उसका उपयोग कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी ने करीब चार महीने पहले वाहन खरीदने के लिए आरोपी सुमित पांडे से एक लाख रुपये उधार लिए थे, जिसमें से 30 हजार रुपये वापस कर दिए गए थे, जबकि 70 हजार रुपये शेष थे। बाकी रकम की वसूली के लिए आरोपी सुमित पांडे और धीरज ठाकुर ने प्रार्थी को धमकाकर उसकी बोलेरो वाहन अपने कब्जे में ले ली और उसे उपयोग में लाते रहे।

प्रार्थी की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन उन्होंने विवेचना में सहयोग नहीं किया और वाहन को छुपाकर रखा। सख्ती से पूछताछ करने पर मामले का खुलासा हुआ।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार डी. धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के नेतृत्व में की गई। मामले में उप निरीक्षक अरुण मरकाम, सहायक उप निरीक्षक परिमल दास तथा आरक्षक रीना अनंत, ललिता तारम, वरुण बघेल और सोमालु की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में इस प्रकार की जबरन वसूली और दबंगई करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संपादकीय

बढ़ती विषमता का आईना

आय कर रिटर्न्स से उभरा रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दाखिल हुए आयकर रिटर्न्स से देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की झलक मिली है। एक अंग्रेजी वित्तीय अखबार के विश्लेषण के मुताबिक पांच लाख रुपये तक आमदनी वाले व्यक्तियों के रिटर्न की संख्या 2024-25 की तुलना में गिर कर लगभग आधी रह गई है। ऐसा संभवतः इसलिए हुआ कि गुजरे वित्त वर्ष में सरकार के आय कर दरों में बढ़ोतरी करने की वजह से बहुत से लोगों के लिए रिटर्न फाइल करने की अनिवार्यता नहीं रह गई। मगर इससे यह भी जाहिर होता है कि लोगों के क्रमिक रूप से ऊपर के आय वर्ग में शामिल होने का क्रम टूटा हुआ है। 2019-20 के बाद से 2022-25 तक पांच लाख से कम आबादी वाले वर्ग की ओर से सबसे ज्यादा रिटर्न फाइल होते थे। मगर अब पांच से दस लाख रुपये के बीच की आमदनी वाले समूह ने यह स्थान हासिल कर लिया है। 2024-25 में इस आय वर्ग में चार करोड़ 75 लाख रिटर्न फाइल हुए थे, जो पिछले वर्ष पांच करोड़ 45 लाख तक पहुंच गए। रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। 2011-12 में हर दस लाख आबादी पर 649 परिवारों के 775 लोगों ने हवाई यात्रा की थी। तब कुल छह करोड़ 80 लाख हवाई यात्राएं हुईं। 2023-24 में हवाई यात्राओं की संख्या 15 करोड़ 37 लाख तक पहुंच गई। लेकिन ये यात्राएं हर दस लाख आबादी में 471 लोगों ने की, जो 469 परिवारों से आए। मतलब यह कि 2011 में हवाई यात्राओं की संख्या भले कम थी, मगर आबादी के हिसाब से यात्रियों का अनुपात कहीं बड़ा था। महंगी कारों एवं अन्य उपभोक्ता चीजों की खरीदारी के आंकड़ों से भी इसी रुझान का संकेत मिलता है। इसीलिए सरकार के विषमता घटने के दावों पर यकीन करना मुश्किल होता गया है। मसलन, पारिवारिक उपभोग खर्च सर्वे रिपोर्ट- 2023-24 में ऐसा दावा किया गया। जबकि आय एवं व्यय के अन्य आंकड़े कुछ और कहानी बताते हैं।

आलेख

ट्रंप (अमेरिका) अब मजाक हैं!

हरिशंकर व्यास

कोई महाशक्ति कैसे मात्र एक नेता से अपने को गंवा बैठती है, अपनी हैसियत-पहचान का फलूदा बना देती है, इसके इन दिनों ढेरों प्रमाण हैं। अमेरिका ढाई सौ साल का होने वाला है। पर देश अपने उस राष्ट्रपति के 80वें जन्मदिन के तमाशों में है, जिसने छह वर्षों में अमेरिका को फूंका कारतूस बना डाला। अमेरिका और ट्रंप की इस मजबूरी पर सोचें कि वह ईरान को मनाने के लिए पाकिस्तान पर निर्भर है। सभी अब ट्रंप के अमेरिका की हैसियत समझ रहे हैं। इजराइल, इस्लामी देश याकि ईरान, कतर, पाकिस्तान, रूस, चीन सभी की निगाहों में अमेरिका मानों थोथा चना बाजे घना। अमेरिका इतना असहाय पहले कब था जो सैनिक मिशन ईरान को खत्म करने का था और अब उसी से समझौते के लिए ट्रंप मरे जा रहे हैं। सोचें, ट्रंप ने कितनी बार कहा है कि अमेरिकी सेना ने ईरान का सब कुछ खत्म कर दिया। फिर कितनी बार बोला कि ईरान से समझौता बस होने को है। दो दिन पहले ईरान ने खबर उड़ाई कि समझौता होने के कगार पर। ट्रंप हड़बड़ा गए। जवाब था बकवास है, ईरान ने मसौदा जरूर भेजा है पर मैंने फैसला नहीं किया! उसी दिन फिर ट्रंप ने ईरान के पड़ोसी ओमान को खत्म करने की धमकी दी! इसलिए क्योंकि ईरान-ओमान दोनों होमुर्ज की खाड़ी में टोल वसूली का तानाबाना बुन रहे हैं। ईरान के ऐसे साहस के गहरे अर्थ हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप से ईरान पर हमला करवाया। और अब ट्रंप पाकिस्तान के जनरल मुनीर की कूटनीति के झांसे में हैं। पाकिस्तान ने चालाक लोमड़ी की तरह अरब-खाड़ी देशों के इस्लामी देशों और चीन से अपनी ऐसी पंचायत बनाई है कि पश्चिम एशिया से अमेरिका के आउट होने और उसकी जगह पाकिस्तान की सैन्य उपस्थिति के अवसर बन गए हैं। इस कूटनीति को ईरान के सर्वोच्च नेता मोज्तबा खामेनेई ने भी जाहिर किया है। उन्होंने कहा है कि पश्चिम एशिया की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी। इस क्षेत्र में अमेरिका के पास सुरक्षित ठिकाना नहीं रहेगा। क्या अर्थ है? कतर, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत, इराक सभी इस्लामी देश मानने लगे हैं कि अमेरिका न काम का न काज का। इसलिए क्योंकि न वह ईरान के घुटने टिका सका और न उसके मिसाइल, ड्रोन हमलों से इन देशों को बचा सका। उलटे अमेरिकी सैन्य अड्डों के होने से ईरान ने उन पर भी हमला किया। इलाके के मुसलमानों में ईरान का समर्थन दिखा। इसलिए अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाए रखना जोखिम है न कि सुरक्षा की गारंटी। ऐसे में अरब-खाड़ी के इस्लामी देशों को किसकी जरूरत है? इस्लामी सैन्य महाशक्ति पाकिस्तान की है, व्यापार और कमाई वाले चीन की है। गाजा, लेबनान में इजराइल के तांडव के आगे ईरान की भी है। इस तरह सामरिक, रणनीतिक, कूटनीतिक आदि के कामों में कभी वॉशिंगटन विश्व गुरू था। तभी उसकी वैश्विक चौधराहट थी। विश्व व्यवस्था में स्थिरता थी, संतुलन था। लेकिन सिर्फ और सिर्फ पैसे के लोभी तथा प्रॉपर्टी डीलर की तासीर में रंगे हुए ट्रंप ने, अपने आपको ईसा का अवतार जतलाते हुए अमेरिकियों को ऐसा मूर्ख बनाया जो अमेरिकी दिमाग भी कॉकरोच की दशा की और है। बुद्धि हाशिए में और झूठ का बोलबाला। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय, पेंटागन हो या विदेश-वाणिज्य-वित्त संबंधी मंत्रालय और उसके तमाम दिमागी थिंक टैंक सभी की सांसें वैसी ही खोखली हैं, जैसे बारह वर्षों से भारत में है।सोचें, कभी जी-7 देशों, यूरोपीय नेताओं के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति का विचार-विमर्श व साझा था। अब ट्रंप पाकिस्तानी नेताओं, कतर, सऊदी अरब, बहरीन के शेखों, इजराइल के नेतन्याहू या पुतिन, शी जिनपिंग से चोंच लड़ाते हैं। गुजरे सप्ताह गजब हुआ जो नेतन्याहू के प्रभाव में ट्रंप ने मुस्लिम नेताओं से बात की। तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोआन, सउदी अरब, यूएई, मिस्त्र और पाकिस्तान, शेखों, प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपति से बात कर उन्होंने कहा इस्लामी देशों को अब्राहम अकॉर्ड्स मानते हुए इजराइल से कूटनीतिक रिश्ते बना कर दोस्ती करनी चाहिए। तभी शांति होगी। एक तरफ दुनिया का हर मुसलमान गाजा, लेबनान, ईरान में इजराइल-अमेरिका के हमलों के विध्वंस का लाइव साक्षी है वही ट्रंप की ऐसी खामोख्याली। पाकिस्तान ने ट्रंप को तुरंत हैसियत दिखाई। उसके रक्षा मंत्री याकि जनरल मुनीर के बॉस ख्वाजा आसिफ ने कहा पाकिस्तान अपनी मौलिक विचारधाराओं से कतई समझौता नहीं कर सकता।

पीएम स्वनिधि:गुज़ारे से आत्मनिर्भरता की ओर

पीएम स्वनिधि भारत की अनाधिकारिक शहरी अर्थव्यवस्था में काम करने वाले आपूर्तिकर्ताओं को सहायता देने वाली एक बड़ी पहल के तौर पर उभरी है। बिना किसी गारंटी के ऋण देने के अलावा, इस योजना ने डिजिटल तरीकों को अपनाने को बढ़ावा दिया है, संस्थागत ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाया है और सामाजिक सुरक्षा के दायरे को बढ़ाया है। वर्ष 2020 में शुरू होने के बाद से, अब तक 1.12 करोड़ से ज़्यादा ऋण वितरित किए जा चुके हैं। इस पहल से शहरों और कस्बों में 75 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों को फ़ायदा हुआ है। इस योजना के तहत 17,800 करोड़ रुपये से ज़्यादा के ऋण दिए गए हैं। इसका असर न सिर्फ़ सरकारी आंकड़ों में दिखता है, बल्कि उन लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में भी नज़र आता है जो अपनी आजीविका को ज़्यादा मज़बूत और टिकाऊ बना रहे हैं।

भारत के रेहड़ी-पटरी वालों की बदलती कहानी

किसी भीड़भाड़ वाले बाज़ार में सब्ज़ी बेचने वाला और किसी व्यस्त दफ़्तर के बाहर चाय बेचने वाला— ये भारतीय शहरों में आम नज़ारे हैं। गलियों में घूमकर फल बेचने वाला और सड़क के किनारे फुटपाथ पर जूते ठीक करने वाला मोची भी रोज़मर्रा की शहरी ज़िंदगी के लिए उतने ही ज़रूरी हैं। ये लाखों रेहड़ी-पटरी वाले मिलकर हर दिन भारत की शहरी अर्थव्यवस्था को चलाते रहते हैं। वे स्थानीय बाज़ारों और आस-पड़ोस की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखते हुए किफ़ायती सामान और ज़रूरी सेवाएं देते हैं। हालांकि, औपचारिक ऋण तक उनकी पहुंच बहुत कम थी, जिसकी वजह से कई विक्रेताओं को बहुत ज़्यादा ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण पर निर्भर रहना पड़ता था। उनकी इन मुश्किलों को दूर करने के लिए, जून 2020 में 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' (पीएम स्वनिधि) योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की पहली सूक्ष्म वित्त (माइक्रो-क्रेडिट) पहल थी, जो रेहड़ी-पटरी वालों पर केंद्रित थी और जिसे सरकार की क्रेडिट गारंटी का सहारा मिला हुआ था। इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वालों को 卐स्वरोज़गार, स्वावलंबन और स्वाभिमान卐 देना था। आज, पीएम स्वनिधि सिर्फ़ एक ऋण देने वाली सामान्य योजना से कहीं आगे बढ़कर एक देशव्यापी आंदोलन बन गई है, जो भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, डिजिटल दुनिया से जोड़ने और सामाजिक सुरक्षा देने का काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में, इस योजना ने देश भर के शहरों और कस्बों में ज़बरदस्त तरक्की की है। 75.5 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों ने 1.12 करोड़ से ज़्यादा ऋण लिए हैं, जिनकी कुल रकम 17,800 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। इस योजना के तहत 55 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से जोड़ा गया है। एक साथ मिलकर, उन्होंने लगभग 8.96 लाख करोड़ रुपये के 841 करोड़ से ज़्यादा डिजिटल ट्रांज़ैक्शन किए हैं। पीएम स्वनिधि के तहत लाभार्थियों को डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन और ब्याज सब्सिडी के ज़रिए लगभग 800 करोड़ रुपये भी मिले हैं। इन मज़बूत उपलब्धियों और महसूस किए जाने वाले प्रभाव को देखते हुए, इस योजना को मार्च 2030 तक बढ़ा दिया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना की मुख्य विशेषताएं

कार्यशील पूंजी ऋण: बिना किसी गारंटी के 15,000 रुपये, 25,000 रुपये और 50,000 रुपये के ऋण, ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी सहायता के साथ, तीन चरणों में दिए जाते हैं। यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड: जो विक्रेता दूसरे चरण का ऋण सफलतापूर्वक चुका देते हैं, वे 30,000 रुपये तक की सीमा वाले यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र होते हैं। डिजिटल प्रक्रिया को अपनाना: डिजिटल प्रक्रिया को अपनाने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए, स्ट्रीट वेंडरों को खुदरा/थोक डिजिटल ट्रांज़ैक्शन के लिए 1,600 रुपये तक के कैशबैक प्रोत्साहन दिए जाते हैं।

स्वनिधि से समृद्धि (एसएसएस): लाभार्थियों और उनके परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण किया जाता है, ताकि उन्हें आठ चुनी हुई केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके और एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा जाल बनाया जा सके।

क्षमता निर्माण और उद्यमिता विकास: विक्रेताओं को एफएसएसएआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, और खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता में प्रशिक्षण दिया जाता है।

पीएम स्वनिधि योजना का असर

पीएम स्वनिधि का स्वतंत्र असर मूल्यांकन 2023 और 2025 में किया गया था। इन अध्ययनों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुधार सामने आए:

आर्थिक सशक्तिकरण

इस योजना ने देश भर के विक्रेताओं के लिए व्यापार की स्थिरता को मज़बूत किया है और उनकी आमदनी में सुधार किया है। लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने पीएम स्वनिधि के तहत पहली बार औपचारिक संस्थागत ऋण प्राप्त किया। लगभग 30 प्रतिशत लोगों ने बाद में स्वनिधि ऋणों के अलावा अतिरिक्त ऋण भी प्राप्त किया, जो उनकी बेहतर ऋण पात्रता और वित्तीय समावेशन को दर्शाता है। लाभार्थियों की आय में भी औसतन लगभग 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

पारिवारिक कल्याण में सुधार

पीएम स्वनिधि के तहत हुए आर्थिक लाभों ने लाभार्थियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस योजना ने आवास की अधिक स्थिरता और पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक बेहतर पहुंच में सहायता प्रदान की।

पीएम स्वनिधि ने शहरी क्षेत्रों के कमज़ोर समुदायों के बीच सामाजिक समावेशन को भी मज़बूत किया है। इस योजना के तहत लगभग 46 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो इसमें मज़बूत लैंगिक समावेश को दर्शाता है। लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी हाशिए पर रह रहे समुदायों से हैं, जो इस योजना की समावेशी पहुंच को उजागर करता है।

दृढ़ता और सशक्तिकरण की आवाज़ें

आंकड़ों और ऋण वितरण के पीछे दृढ़ता, साहस और नई उम्मीदों की कहानियां हैं। कई विक्रेताओं के लिए, पीएम स्वनिधि ने स्थिरता, विकास और उन अवसरों के दरवाज़े खोल दिए हैं, जिन्हें कभी उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। देश के अलग-अलग हिस्सों से मिले ये अनुभव इस बात को उजागर करते हैं कि कैसे सही समय पर मिली मदद छोटे व्यवसायों को उबरने, खुद को ढालने और ज़्यादा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद कर रही है।

एक छोटी स्टॉल से एक दुकान तक

गाज़ियाबाद के नंदग्राम की बबीता शर्मा, एक स्थानीय मंदिर के पास पूजा का सामान बेचने वाली एक छोटी सी दुकान चलाती हैं। हर दिन, श्रद्धालु अगरबत्ती, दीये, फूल, नारियल और पूजा के लिए ज़रूरी अन्य सामान खरीदने के लिए उनके स्टॉल पर आते हैं। हालांकि इस व्यवसाय से उनके परिवार का गुज़ारा हो जाता था, लेकिन सीमित पूंजी के कारण उन्हें अक्सर अपने व्यवसाय का विस्तार करने और ग्राहकों की मांग को पूरा करने में मुश्किल होती थी। जुलाई 2020 में, बबीता को शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) के अधिकारियों के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना के बारे में पता चला। अपनी आजीविका को बेहतर बनाने के एक अवसर के रूप में देखते हुए, उन्होंने इस योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन किया। पहला पीएम स्वनिधि ऋण मिलने के बाद, बबीता ने उस राशि का निवेश अतिरिक्त स्टॉक खरीदने और अपने स्टॉल पर और भी नए उत्पाद लाने में किया। उत्पादों की इस विस्तृत श्रृखला ने ज़्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया और उनकी दैनिक बिक्री और आय को बढ़ाने में मदद की। अपने व्यवसाय में हुए सुधार से उत्साहित होकर, उन्होंने समय पर ऋण चुका दिया और दूसरी किस्त के लिए पात्र हो गईं। उन्होंने इस ऋण का उपयोग एक ठेला खरीदने और अपने बिक्री के सेटअप को बेहतर बनाने के लिए किया।

उद्यम के माध्यम से सीमाओं का विस्तार

तिरुवनंतपुरम की शांति आर, एक दशक से भी ज़्यादा समय से सूखी मछली के अपने व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार की मुख्य कमाने वाली सदस्य रही हैं। पीएम स्वनिधि से पहले, वह ऊंची ब्याज दरों वाले सूक्ष्म वित्त ऋण पर निर्भर थीं, जिनकी साप्ताहिक किस्तें चुकाना बहुत मुश्किल होता था। इन वित्तीय दबावों ने उनके व्यवसाय के विकास को सीमित कर दिया था और उनके दैनिक कामकाज पर भी असर डाला था। पीएम स्वनिधि ने शांति को आसानी से उपलब्ध संस्थागत ऋण के माध्यम से धीरे-धीरे अपने व्यवसाय को मज़बूत बनाने में मदद की। जैसे-जैसे उनका व्यवसाय स्थिर हुआ, उन्होंने केवल सड़क पर बेचने तक ही खुद को सीमित न रखते हुए, सूखी मछली की पैकिंग और स्थानीय दुकानों में आपूर्ति करने के क्षेत्र में भी अपने व्यवसाय का विस्तार किया। शांति को इस योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 10,000 रुपये मिले और बाद में वह तीसरी किस्त के रूप में 50,000 रुपये का ऋण पाने की पात्र हो गईं। इससे उनके पास नकदी का प्रवाह बेहतर हुआ और उन्हें अपने स्टॉक का प्रबंधन ज़्यादा कुशलता से करने में मदद मिली। जनवरी 2026 में उन्हें एक स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी मिला, जिसने उनके बढ़ते व्यवसाय को और भी अधिक मज़बूती प्रदान की। शांति आर का अनुभव दिखाता है कि कैसे पीएम स्वनिधि महिला उद्यमियों को अपने व्यापार को अलग-अलग क्षेत्रों में फैलाने और टिकाऊ आजीविका बनाने में मदद कर रहा है।

चुनौती को अवसर में बदलना

गुवाहाटी के नूनमती की हलचल भरी सड़कों पर, सेवाली कलिता कभी अपने चार लोगों के परिवार का गुज़ारा चलाने के लिए एक छोटी सी पान की दुकान चलाती थीं। मुश्किल समय में, गुज़ारा करने के लिए उन्हें पड़ोसियों से पैसे भी उधार लेने पड़े। गुवाहाटी नगर निगम के अधिकारियों से बातचीत के दौरान सेवाली को पीएम स्वनिधि के बारे में पता चला। 10,000 रुपये का ऋण लेकर, सेवाली ने अपने अंदर की उद्यमी भावना को जगाया। उन्होंने महामारी के दौरान ऑर्गेनिक सब्जियों की बढ़ती मांग को पहचाना। उन्होंने स्थानीय स्तर पर ताज़ी सब्जियां खरीदना शुरू किया और उन्हें अपनी पान की दुकान के साथ बेचना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे बिज़नेस बढ़ा, सेवाली ने अपने बच्चों को वापस स्कूल में दाखिला दिलाया और धीरे-धीरे अपने बिज़नेस का विस्तार किया। इसके बाद उन्होंने क्रमशः 20,000 रुपये और 50,000 रुपये के अतिरिक्त ऋण भी लिए। इस आर्थिक मदद से वह अपना कर्ज़ चुका पाईं, अपना स्टॉक बढ़ा पाईं और सब्जियों के लिए एक अलग दुकान खोल पाईं। आज, सेवाली गुवाहाटी में अपने पति के साथ मिलकर एक फलता-फूलता बिज़नेस चला रही हैं। अब वह अपने बढ़ते बिज़नेस से हर महीने लगभग 8,000 रुपये का मुनाफ़ा कमाती हैं। उनकी यह प्रगति दृढ़ता और अवसरों का एक सशक्त उदाहरण है।

छोटा ऋण, बड़ा बदलाव: एक रेहड़ी वाले के जीवन में आया बदलाव

योगराज माली, 30 साल के बी. कॉम के छात्र हैं, जो गांधीनगर में 'छोलाफली' बेचकर स्ट्रीट फूड का बिज़नेस चलाते थे। बदकिस्मती से, कोविड-19 महामारी ने उनके बिज़नेस को बुरी तरह प्रभावित किया। लेकिन, पीएम स्वनिधि योजना के तहत मिले ऋण के रूप में उम्मीद की एक किरण सामने आई। इस ऋण ने न सिर्फ़ उनके बिज़नेस को फिर से खड़ा किया, बल्कि उन्हें और उनके परिवार को भी अपार खुशियां दी, क्योंकि अब उन्हें आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ रहा था। इस ऋण की मदद से योगराज ने डिजिटल पेमेंट को अपनाया, जिससे उन्हें कैशबैक रिवॉर्ड्स का भी फ़ायदा मिला। इसके अलावा, उन्होंने सरकार की दूसरी योजनाओं, जैसे - प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और श्रमयोगी मान धन योजना का भी लाभ उठाया। सरकार से मिली इस मदद के लिए आभार जताते हुए योगराज कहते हैं कि मुश्किल समय में सरकार एक मज़बूत सहारे के तौर पर खड़ी रहती है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है।

ऋण से आगे: बदलता शहरी परिदृश्य

भीड़भाड़ वाले बाज़ारों से लेकर सड़क किनारे की तंग गलियों तक, पीएम स्वनिधि ने पूरे देश में अनगिनत रोज़मर्रा की यात्राओं को चुपचाप बदल दिया है। इस योजना ने विक्रेताओं को काम पर लौटने और अपने छोटे व्यवसायों का विस्तार करने में सक्षम बनाया है। इसने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया है और सुरक्षित, अधिक व्यवस्थित व्यावसायिक तरीकों को प्रोत्साहित किया है। इसने वंचित समुदायों के लिए संस्थागत सहायता तक पहुंच को भी व्यापक बनाया है। इस योजना की बढ़ती पहुंच विकास और समावेशन में एक बड़े बदलाव को दर्शाती है। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों लोगों के लिए, पीएम स्वनिधि ने अवसरों के ऐसे रास्ते बनाए हैं, जिन तक पहुंचना कभी मुश्किल था। कई मायनों में, यह पहल शहरी शासन की बदलती सोच को दर्शाती है। छोटे विक्रेताओं को अब हाशिये पर रह रहे लोगों के रूप में नहीं देखा जाता। इसके बजाय, उन्हें भारत की आर्थिक विकास गाथा में योगदान देने वालों के रूप में तेज़ी से पहचाना जा रहा है।

भारत ने श्रमिकों,किसानों,एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

श्री पीयूष गोयल

1 जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है। भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200ङ्क300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98त्न टैरिफलाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है। यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी। भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। रोज़गार सृजन ङ्क यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं। ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे। भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे। रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है। किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरीफछूट नहीं दी है। घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी। यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा। समुद्री उत्पादों में भी विशाल संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक उपयोग नहीं हो पाया है। 2022 और 2024 के बीच ओमान का समुद्री उत्पादों का आयात लगभग 119 मिलियन डॉलर था। भारत से आयात केवल 7.75 मिलियन डॉलर था, जिससे भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात जैसे झींगा और जमे हुए कटलफिश के लिए विशाल अवसर मौजूद हैं। श्रम-गहन समुद्री उत्पाद उद्योग मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स और निर्यात संचालन में अतिरिक्त नौकरियाँ उत्पन्न कर सकता है। दवा और पारंपरिक चिकित्सा - यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए और टीजीए जैसे नियामकों द्वारा अनुमोदित भारतीय दवाएं 90 दिनों के भीतर ओमान में स्वचालित विपणन प्राधिकार प्राप्त करेंगी — जो भारतीय फार्मा निर्यातकों के लिए एक बड़ी सफलता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि सीईपीए भारत की पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के लिए अवसर पैदा करता है। यह पारंपरिक चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान की व्यवस्था करता है। सेवाएँ और आवागमन - समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू सेवा और आवागमन में निहित है। ओमान ने भारत के लिए विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की है, जिनमें पेशेवर सेवाएँ, कंप्यूटर और आईटी सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अनुसंधान और विकास तथा पर्यावरण सेवाएँ शामिल हैं। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, निर्माण, शिक्षा और परामर्श जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों को बेहतर बाज़ार पहुँच से लाभ मिलने की उम्मीद है।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी गुरुदेव के स्वप्न में आई 2000 वर्ष प्राचीन श्री अरहनाथ भगवान प्रतिमा पुष्पगिरी तीर्थ में विराजमान धार्मिक उल्लास के वातावरण

औरगाबाद। परम पूज्य आचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी गुरुराज के पावन सानिध्य में निर्मानाधीन पुष्पगिरी तीर्थ पर इन दिनों विविध धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की भव्य श्रृंखला निरंतर संचालित हो रही है। इसी क्रम में आज एक अत्यंत ऐतिहासिक एवं श्रद्धामय आयोजन संपन्न हुआ।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज के दिव्य स्वप्न मै आई लगभग 2000 वर्ष से अधिक प्राचीन भगवान श्री अरहनाथ जी की प्राचीन प्रतिमा को विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ पुष्पगिरी तीर्थ में विराजमान किया गया।

इस पुण्य अवसर पर पुष्पगिरी तीर्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री प्रकाश अजमेरा, सचिव श्री सुभाष जी जैन, श्री प्रमोद जी जैन, श्री महावीरजी गंगवाल, श्री आकाश जी जैन, श्री विकल्प जी जैन,ने विशेष रूप से सह-भागिता निभाते हुए प्रतिमा को श्रद्धापूर्वक विराजमान कराया।

प्रतिमा विराजमान होते ही सम्पूर्ण तीर्थ क्षेत्र भक्तिभाव, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया एवं निर्माण कार्य गति से सम्पन्न होने लगा । उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान अरहनाथ के जयघोष के साथ धर्मलाभ प्राप्त किया तथा इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

आचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में पुष्पगिरी तीर्थ निरंतर धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनता जा रहा है। यहां प्रतिदिन पूजन, अभिषेक, प्रवचन, स्वाध्याय एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हो रहा है, जिससे देशभर से आने वाले श्रद्धालु लाभान्वित हो रहे हैं।

श्रद्धालुओं का मानना है कि भगवान श्री अरहनाथ की प्राचीन प्रतिमा का पुष्पगिरी तीर्थ में विराजमान होना जैन समाज के लिए एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि है, जो आने वाली पीढ़ियों को धर्म एवं आध्यात्मिकता से जोड़ने का कार्य करेगी।

तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु वॉटर कूलर भेंट, वर्षभर मिलेगा शुद्ध एवं शीतल पेयजलः नितिन जैन

जबलपुर (विश्व परिवार)। धर्म, सेवा और समाजहित की भावना को साकार करते हुए दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर मेन के पूर्व अध्यक्ष विकास शिखा जैन परिवार द्वारा श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र पिसनहारी की मढ़िया में श्रद्धालुओं एवं तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक वॉटर कूलर भेंट किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य तीर्थ पर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को वर्षभर शुद्ध, स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है।

वॉटर कूलर के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि तीर्थ स्थलों पर पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्य एवं जनकल्याणकारी कार्य है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह सुविधा तीर्थयात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। यह पहल समाज में सेवा, सहयोग और धार्मिक आस्था का प्रेरणादायी उदाहरण है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जैन समाज सदैव सेवा, करुणा और परोपकार की परंपरा को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है। विकासङ्कशिखा जैन परिवार द्वारा किया गया यह योगदान न केवल तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि समाज के अन्य परिवारों को भी ऐसे सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करेगा। आयोजन की विस्तृत जानकारी नितिन जैन द्वारा प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि तीर्थ क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में स्वच्छ पेयजल की यह व्यवस्था उनके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

विशाल छबील- शरबत वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री गुरु अर्जन देव जी के 420 वें शहीदी वर्ष के अवसर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा उनकी जीवनी पर आधारित विशाल चित्र प्रदर्शनी एवं विशाल छबील अर्थात शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन 30 मई 2026 को किया गया जो छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में अपनी तरह का पहला बड़ा आयोजन था। मुगल शासक जहांगीर द्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी को दी गई यातनाओं के बारे में तथा गुरुजी के जन्म से लेकर अंतिम समय तक की जीवनी का उल्लेख चित्रों में दर्शाया गया ताकि बच्चों, युवाओं और जनसामान्य को उनके बलिदान से अवगत करवाकर उन्हें धर्म के प्रति जागरूक किया जाए।

छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने बताया कि श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर आयोजित उनकी जीवनी पर आधारित विशाल चित्र प्रदर्शनी को देखने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहुंचे उन्होंने चित्र प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया और उनकी जीवन शैली के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा आयोजित विशाल छबील मीठे ठंडे पानी वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लेकर राहगीरों को शरबत बताकर सेवा कर पुण्य लाभ लिया।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि यह नई पीढ़ी को श्री गुरु अर्जुन देव जी के जीवन, संघर्ष, आध्यात्मिक चेतना और महान बलिदान से परिचित कराने का अत्यंत सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि इतिहास तभी जीवंत रहता है, जब नई पीढ़ी अपने महापुरुषों के विचारों, मूल्यों और त्याग से जुड़ी रहती है।

जिले में खेत बचाओ अभियान का शुभारंभ

- किसानों को दी जाएगी उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा प्राकृतिक खेती के महत्व की जानकारी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देशानुसार रासायनिक उर्वरकों के सिमित व संतुलित उपयोग और प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों व आम नागरिकों में जागरूकता और जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 1 जून से 30 जून 2026 तक देश व्यापी खेत बचाओ अभियान का आयोजन किया जा रहा है।कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों के 5-5 ग्राम पंचायतों में अभियान अंतर्गत प्रति दिवस कृषक संगोष्ठी, कृषि चौपाल, जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं संवर्गीय विभागों के द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जा रहा है। खेत बचाओ अभियान अन्तर्गत जिले में आज विकासखण्ड पलारी के ग्राम पंचायत वटगन, देवसुन्द्रा, छेरकापुर, रींवाडीह, टिपावन, विकासखण्ड भाटापारा में भोथीडीह, मोपका विकासखण्ड बलौदाबाजार में डमरू, चंगोरी, लवन विकासखण्ड कसडोल में पुलेनी, खपरीडीह, सोनाखान, चरौदा क, थरगांव आदि ग्रामों में आयोजित किया गया। किसानों तथा नागरिकों के मध्य रसायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से मृदा स्वास्थ्य पर प्रभाव तथा प्राकृतिक खेती के महत्व विषय पर वैज्ञानिक परिचर्चा हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे। वैज्ञानिक पद्धति से खेती तथा काश्त लागत में कमी संबंधी विषय पर भी चर्चा की जाएगी। कृषकों तथा नागरिकों को प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु शपथ दिलायी जाएगी, पंचायत स्तर पर किसानों एवं जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर कम से कम 25 प्रतिशत कृषि भूमि पर प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

पत्थर शरीर वाली बच्ची के उपचार को लेकर बाल आयोग सक्रिय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा द्वारा सोशल मीडिया में प्रसारित समाचार एवं आयोग को प्राप्त आवेदन पत्र का संज्ञान लेते हुए बीजापुर जिले के नेलसनार क्षेत्र अंतर्गत बेंगोफर पारा, कौरगांव निवासी गंभीर रूप से बीमार नाबालिग बच्ची के उपचार हेतु प्राप्त दान एवं सहायता राशि के संबंध में जांच की कार्यवाही कराई जा रही है।

प्राप्त आवेदन में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ब्रजराज रजक एवं दीपक ध्रुवे द्वारा बच्ची के उपचार के लिए सार्वजनिक सहयोग राशि एकत्रित किए जाने तथा भुगतान संबंधी विवरणों पर प्रश्न उठाए गए थे, जिस पर डॉ. वर्णिका शर्मा द्वारा संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दीपक ध्रुवे द्वारा जांच प्रारंभ होने से पूर्व बच्ची के परिवार को ?39,000 की राशि प्रदान की गई थी तथा जांच के दौरान अतिरिक्त ?22,400 की राशि बच्ची की माता एवं उसके भाई की उपस्थिति में तथा पुलिस के समक्ष प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त ?5,000 की राशि संबंधित बैंक खाता होल्ड होने के कारण बच्ची के चाचा के खाते में जमा कराई गई थी, जिसे बाद में उनके चाचा द्वारा बच्ची की माता को प्रदान किया गया। जांच में यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ब्रजराज रजक द्वारा बच्ची के उपचार हेतु वीडियो प्रसारित कर स्वयं का क्यूआर कोड साझा किया गया था।

प्री डीएलएड प्रवेश परीक्षा 4 जून को,3 हजार से अधिक अभ्यार्थी होंगे शामिल

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 4 जून 2026 को प्री डीएलएड प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिये जिले में 11 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं जिसमें 3168 अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह परीक्षा एक पाली में प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 12 ऱ15बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को प्रातः 9ऱ30 बजे से पूर्व परीक्षा केन्द्र पहुंचना अनिवार्य है।कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने परीक्षा आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय डी. के.कॉलेज बलौदाबाजार केन्द्र में 360 अभ्यर्थी, शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार में 360, पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल में 360,पंडित लक्ष्मी प्रसाद तिवारी शासकीय कन्या हाई स्कूल में 240,एमडीव्ही बलौदाबाजार में 240,पीएमश्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लवन में 360, शाश्वत हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार में 300,शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सकरी में 180,अहिल्या इंटरनेशनल सस्कूल में 360।

पहाड़ों और जंगलों से तरणताल तक- बैगा बच्चों के सपनों को नई उड़ान दे रहा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार की जनजातीय हितैषी नीतियों और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों के बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में आयोजित जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के बच्चों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। जंगलों और पहाड़ों के बीच जीवन व्यतीत करने वाले बैगा बालक-बालिकाएं आज तरणताल (स्वीमिंग पूल) में तैराकी के आधुनिक खेल कौशल सीखकर अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं।

नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के तरणताल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। इसमें आकांक्षी विकासखंड गौरेला के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले बैगा समुदाय के बच्चों को प्राथमिकता से शामिल किया गया है। जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों ने स्वयं गांवों तक पहुंचकर बैगा परिवारों को प्रेरित किया और बच्चों को इस शिविर से जोड़ा। प्राकृतिक जलस्रोतों, नदी-नालों और जंगलों के बीच जीवन बिताने वाले इन बच्चों के लिए तरणताल का यह अनुभव बिल्कुल नया है। यहाँ वे केवल तैरना ही नहीं सीख रहे, बल्कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धी खेल संस्कृति को भी आत्मसात कर रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतने बड़े स्वीमिंग पूल में अभ्यास नहीं किया था।

दैनिक वेतन भोगियों के नियमितीकरण मामले में सरकार क्यों चुप है

रायपुर (विश्व परिवार)। दैनिक वेतनभोगी और अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि 100 दिन के भीतर नियमितीकरण का वादा था, ढाई साल बीत जाने के बावजूद भी छत्तीसगढ़ के दैनिक वेतन भोगी और अनियमित कर्मचारी ठगे जा रहे हैं। माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में सुनवाई के दौरान स्पष्ट तौर पर कहा कि सरकारी संवैधानिक नियोक्ता है और गरीब कर्मचारियों के दम पर अपना बजट संतुलित नहीं कर सकती। जो लोग बुनियादी और महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं को संभाल रहे हैं उनके हित में सहानुभूति पूर्वक विचार कर चार महीने के भीतर निर्णय लेने के कठोर निर्देश जारी किया गया है। भाजपा सरकार की नीयत नहीं है कि अनियमित कर्मचारियों को नियमित किया जाए और इसीलिए आउटसोर्सिंग के जरिए काम लेकर नियमित नियुक्तियों से बचने का कुत्सित प्रयास भाजपा की सरकार हर विभाग में कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा की सरकार ने कर्मचारियों के हर वर्ग को ठगा है।

सुशासन तिहार में अबूझमाड़ को मिली विकास की बड़ी सौगात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गारपा में की ऐतिहासिक घोषणाएं

- मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और वन मंत्री केदार कश्यप की पहल से दूरस्थ वनांचल तक पहुंच रही विकास की रोशनी

नारायणपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ अंचल स्थित ग्राम पंचायत गारपा पहुंचे, जहां उन्होंने जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री के साथ वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। दोनों नेताओं की मौजूदगी ने अबूझमाड़ के विकास के प्रति राज्य सरकार की गंभीरता और प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्षों तक नक्सल प्रभावित होने के कारण विकास से वंचित रहे अबूझमाड़ में अब बदलाव की नई कहानी लिखी जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बस्तर एवं विशेष पिछड़ी जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जन चौपाल में ग्रामीणों से स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, आजीविका और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि पहले जहां मूलभूत सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं अब शासन की योजनाएं गांवों तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गारपा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणा की। इनमें ग्राम गारपा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना, तुमेराड़ी में दो पुलियों का निर्माण, गारपा में एक किलोमीटर आंतरिक सीसी सड़क, आंगनबाड़ी केंद्र की बाउंड्रीवाल, उप स्वास्थ्य केंद्र से राजकुमार के खेत तक सड़क निर्माण, मसपुर में मुख्य मार्ग से गुडरापारा तक सड़क निर्माण, आश्रम शाला गारपा की बाउंड्रीवाल तथा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गारपा में पुलिस थाना खोलने की घोषणा शामिल है।

लोकभवन में बाल रोग शिविर आयोजित, राज्यपाल डेका ने स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया अवलोकन

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मार्गदर्शन में आज लोकभवन में 1 से 17 वर्ष आयु तक के बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित किया गया।

शिविर में सामान्य बीमारियों के साथ-साथ हृदय रोग, स्त्री रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, नाक-कान-गला रोग, बी.पी. शुगर सहित बच्चों से संबंधित अन्य बीमारियों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। बच्चों में विशेष रूप से हृदय रोग से संबंधित जांच के लिए स्क्रीनिंग भी की गई।

लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में जिला प्रशासन रायपुर के 'प्रोजेक्ट छांव' के अंतर्गत आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 250 बच्चों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में खून जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी।

शिविर में विभिन्न शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर की टीम द्वारा लैब जांच, बीपी और शुगर जांच की गई। वहीं श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल द्वारा हृदय रोग परामर्श, ईसीजी एवं ईको जांच की सुविधा दी गई। इसके अलावा श्री बालाजी डेंटल कॉलेज, बर्नियों हॉस्पिटल, रूप जीवन हॉस्पिटल, श्री गणेश विनायक नेत्रालय सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा जांच और परामर्श प्रदान किया गया।

राज्यपाल श्री डेका ने स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और चिकित्सकों से चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, मंगलवार 02 जून 2026

जन्मदिन के विज्ञापनों से गायब हुआ कांग्रेस का पंजा! गरियाबंद की राजनीति में छिड़ी नई बहस

व्यक्तिगत प्रचार या संगठन की उपेक्षा? विज्ञापनों में न पंजा दिखा, न जिलाध्यक्ष की मौजूदगी

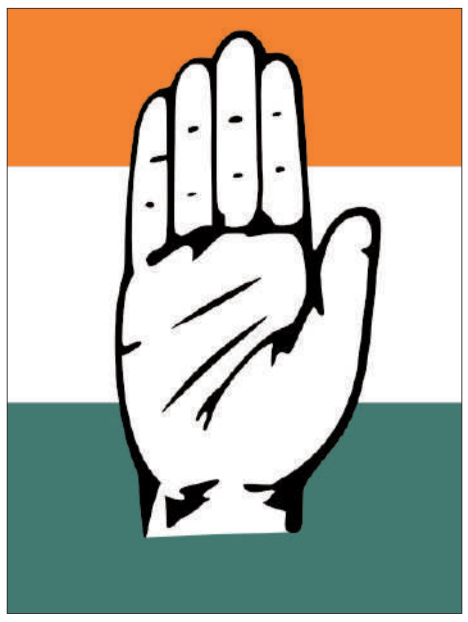

गरियाबंद (विश्व परिवार)। क्षेत्रीय विधायक के जन्मदिवस पर पूरे जिले में समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर बधाई संदेश, पोस्टर, बैनर और अखबारों में विज्ञापन प्रकाशित कर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। लेकिन इन शुभकामना संदेशों के बीच एक ऐसा मुद्दा सामने आया जिसने जिले की राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है। जन्मदिन के अवसर पर प्रकाशित कई विज्ञापनों में कांग्रेस का चुनाव चिन्ह पंजा या तो बेहद छोटा दिखाई दिया या पूरी तरह नदारद रहा। वहीं संगठन के जिलाध्यक्ष की तस्वीर भी अधिकांश विज्ञापनों से गायब नजर आई।

इसी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और राजनीतिक जानकारों के बीच सवाल उठने लगे हैं कि जिस पार्टी के मंच, विचारधारा और चुनाव चिन्ह के सहारे जनप्रतिनिधि सत्ता तक पहुंचे, आखिर उसी पार्टी की पहचान को विज्ञापनों में पर्याप्त स्थान क्यों नहीं दिया गया?

कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि नेताओं की राजनीतिक पहचान संगठन और पार्टी के प्रतीक चिन्ह से ही बनती है। ऐसे में जन्मदिन जैसे सार्वजनिक अवसर पर पार्टी के चुनाव चिन्ह और संगठन के प्रमुख चेहरे की अनदेखी संगठनात्मक एकता पर सवाल खड़े करती है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि यदि कांग्रेस को आगामी चुनावों में मजबूत स्थिति में पहुंचाना है तो संगठन, कार्यकर्ताओं और पार्टी की सामूहिक पहचान को प्राथमिकता देनी होगी। केवल व्यक्तिगत छवि निर्माण और प्रचार के सहारे राजनीतिक सफलता का रास्ता आसान नहीं माना जा सकता।

कार्यकर्ताओं के बीच यह टिप्पणी भी सुनाई दे रही है कि जिस डाल पर बैठकर राजनीतिक पहचान और सफलता मिली, उसी डाल को कमजोर करने जैसी स्थिति नहीं बननी चाहिए। उनका मानना है कि पार्टी और संगठन की ताकत को नजरअंदाज कर कोई भी जनप्रतिनिधि लंबे समय तक मजबूत राजनीतिक आधार कायम नहीं रख सकता।

हालांकि इस पूरे विवाद पर अब तक किसी जिम्मेदार नेता की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन जन्मदिन के विज्ञापनों को लेकर उठे सवालों ने जिले की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। यह मामला अब स्थानीय स्तर से निकलकर प्रदेश संगठन तक चर्चा का विषय बन सकता है।

अब सभी की निगाहें कांग्रेस संगठन पर टिकी हैं कि वह इस मुद्दे को किस दृष्टिकोण से देखता है और भविष्य में पार्टी से जुड़े सार्वजनिक विज्ञापनों व प्रचार सामग्री को लेकर कोई दिशा-निर्देश जारी करता है या नहीं।

गरियाबंद के सियासी गलियारों में एक सवाल लगातार गूंज रहा है—जब कांग्रेस को मजबूत करने और सत्ता में लाने की बात होती है, तो फिर कांग्रेस का पंजा और संगठन के चेहरे जन्मदिन के विज्ञापनों से आखिर गायब क्यों हैं?

संक्षिप्त समाचार

जगदलपुर में नशे के कारोबार पर बस्तर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बोधघाट क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल की बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने नया बस स्टैंड के पीछे आम के पेड़ के पास ग्राहक का इंतजार कर रहे आरोपी बंटू चौहान (27 वर्ष), निवासी अडावाल खासपारा को पकड़कर उसके कब्जे से प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल क्ष्द्रद्र1शट्ठ स्श्वड्डह्य क्यह्वह्य अह्ड्डद्वड्डस्रशद्य ।ष्टरु के 17 पत्ते, कुल 136 नग, जिसकी अनुमानित कीमत 54,400 रुपये है, बरामद किए। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध रूप से नशीले कैप्सूल बेचने की तैयारी में है। थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में गठित टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी उक्त कैप्सूल रखने, परिवहन करने एवं बिक्री से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी) के तहत मामला दर्ज कर नशीले पदार्थ को विधिवत जप्त किया गया तथा आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय विशेष एनडीपीएस न्यायालय जगदलपुर भेज दिया गया। कार्रवाई में बोधघाट थाना स्टाफ के कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जमीन खाली करने के दबाव में गई जान! गाली-गलौच और धमकियों से टूटा व्यक्ति, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। घर और जमीन छोड़ने का दबाव, लगातार गाली-गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकियों ने आखिरकार एक व्यक्ति की जिंदगी छीन ली। बिलासपुर जिले के सीपत थाना क्षेत्र में सामने आए इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर जहर खाने वाले कनक पटेल की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।पुलिस के अनुसार ग्राम फरहदा बजरंग चौक निवासी परमेश्वरी पटेल (45) ने 29 मई 2026 को थाना सीपत में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनके परिवार का घर शासकीय जमीन पर वर्षों से बना हुआ है। पड़ोस में रहने वाला बलराम यादव पिता लुलु राम यादव, उम्र 39 वर्ष, निवासी फरहदा चौक, थाना सीपत, एक बुजुर्ग महिला रामकली यादव को लेकर उनके घर पहुंचा और जमीन को उसका बताते हुए मकान खाली कर वहां से चले जाने का दबाव बनाने लगा। आरोप है कि इस दौरान उसने घर में घुसकर अश्लील गाली-गलौच की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।घटना से आहत और मानसिक रूप से परेशान कनक पटेल ने कीटनाशक जहर का सेवन कर लिया। उन्हें गंभीर हालत में सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 30 मई 2026 को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विवेचना के दौरान भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धारा जोड़ दी।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना सीपत और ्र ष्टष्ट की संयुक्त टीम गठित की गई। घटना के बाद फरार हुए आरोपी बलराम यादव की तलाश शुरू की गई और तकनीकी सूचना व लगातार दबिश के बाद उसे गनियारी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।गौरतलब है कि किसी भी व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से इस हद तक प्रताड़ित करना कि वह जीवन समाप्त करने पर मजबूर हो जाए, एक गंभीर अपराध है। फिलहाल आरोपी सलाखों के पीछे है और पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस तरणताल हुआ शुरू

महापौर सहित जनप्रतिनिधियों ने विधिवत पूजा अर्चना कर स्विमिंग पूल का किया शुभारंभ,

जगदलपुरः- शहरवासियों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस तरणताल (स्विमिंग पूल) की सुविधा अब मिलने लगेगी। स्विमिंग के शौकिन अब सोमवार से इसका आनंद उठा सकते हैं। दो बार निविदा निकालने के बाद भी किसी संस्था एवं फर्म ने निविदा में भाग नहीं लिया। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि स्विमिंग पूल का संचालन नगर निगम स्वयं करेगी। स्विमिंग पूल के निरीक्षण के साथ ही आज महापौर संजय पाडेय व जनप्रतिनिधियों ने नगर निगम द्वारा संचालित स्विमिंग पूल का शुभारंभ किया। इस दौरान महापौर संजय पांडेय ने स्विमिंग पूल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए कहा। इसके अलावा विद्युत व्यवस्था, साउंड सिस्टम, चेंजिंग रूम, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को भी देखा। मालूम हो कि उपलब्ध संसाधनों के आधार पर इसे शुरू किया गया है। साथ ही महिलाओं एवं युवाओं के लिए अलग अलग ट्रेनर की व्यवस्था की गई है।

महापौर ने कहा कि गर्मी के मौसम में स्विमिंग पूल शुरू होने से शहरवासियों विशेषकर युवाओं और बच्चों को राहत एवं मनोरंजन का बेहतर साधन मिलेगा।

नगर निगम द्वारा तय की गई निर्धारित शुल्क और समय के आधार पर लोग स्विमिंग पूल पहुंचकर इसका आनंद ले सकते हैं। शुभारंभ अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, राणा घोष, श्रीमती श्वेता बघेल, सुश्री गायत्री कश्यप, सुश्री उर्मिला यादव, संतोष गौर, पितामह नायक, श्रीमती पारुल बोथरा, श्याम सुंदर बघेल, खगेंद्र ठाकुर, दिलीप दास, राकेश झलके सहित निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे।।

इंदिरा वार्ड उपचुनाव : त्रिकोणीय मुकाबले ने बढ़ाई सियासी दिलचस्पी

जगदलपुरः नगर निगम के इंदिरा वार्ड उपचुनाव में मतदान के शुरुआती घंटों से ही मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। दो मतदान केंद्रों पर अब तक करीब 510 से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। कुल 1542 मतदाताओं वाले इस वार्ड में शुरुआती रुझान सक्रिय भागीदारी की ओर इशारा कर रहे हैं।

यह सीट लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ मानी जाती रही है, लेकिन इस बार मुकाबला पहले से अधिक दिलचस्प हो गया है। भाजपा ने जहां इस सीट पर जीत हासिल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है, वहीं आम आदमी पार्टी के मैदान में उतरने से चुनाव त्रिकोणीय हो गया है। आप ने महिला प्रत्याशी को टिकट देकर मुकाबले को और रोचक बना दिया है। करीब तीन दशकों से कांग्रेस के कब्जे वाले इस वार्ड में भाजपा चुनाव को बदलाव के रूप में पेश कर रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि क्षेत्र में पानी, सड़क और नाली जैसी बुनियादी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं और अब मतदाता विकास के नाम पर परिवर्तन चाहते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और संगठन के पदाधिकारी लगातार चुनाव प्रचार में सक्रिय हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस इस सीट को अपनी पारंपरिक मजबूत पकड़ बताते हुए जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि वर्षों से उनके जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में विकास कार्य कराए हैं और जनता का भरोसा अब भी उनके साथ है। साथ ही, कांग्रेस ने भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के विकास दावों पर सवाल उठाते हुए बिजली और अन्य स्थानीय समस्याओं को मुद्दा बनाया है।

आम आदमी पार्टी ने भी इस चुनाव को बदलाव का अवसर बताते हुए मतदाताओं के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे मुकाबला और अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है।

मतदान के आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि मतदाता इस चुनाव को लेकर गंभीर और सक्रिय हैं। अब नजरें कुल मतदान प्रतिशत और अंतिम नतीजों पर टिकी हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस अपना पारंपरिक गढ़ बचा पाती है या भाजपा और अन्य दल इस सीट पर नई राजनीतिक कहानी लिखते हैं।

वायु प्रदूषण जनस्वास्थ्य के लिए बनी गंभीर समस्या

कोरबा। जिले में वायु प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण जिले की वायु गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसका सीधा असर आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से श्वसन संबंधी बीमारियों, एलर्जी, अस्थमा तथा फेफड़ों से जुड़ी अन्य समस्याओं के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। चिकित्सकों का मानना है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच रहा है। कोरबा को देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में गिना जाता है। यहां स्थित एनटीपीसी, सीएसईबी और भारत एल्युमिनियम कंपनी (बालको) सहित कई बड़े एवं मध्यम उद्योगों से उत्सर्जित होने वाली फ्लाई ऐश वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण मानी जाती है। इसके अलावा कोयला खदानों और औद्योगिक इकाइयों से जुड़े परिवहन कार्यों में लगे भारी वाहनों की लगातार आवाजाही भी समस्या को बढ़ा रही है। जिले की अनेक सडकों पर दिन-रात दौडने वाले हजारों वाहनों से उडने वाली धूल (डस्ट) आसपास के वातावरण को प्रभावित कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार विभिन्न कारकों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने के कारण स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। फ्लाई ऐश के सुरक्षित निस्तारण, सडकों की नियमित सफाई, पानी का छिडकाव, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण मानकों के कड़ाई से पालन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

नायब तहसीलदार से मारपीट के विरोध में पटवारी संघ का फूटा गुस्सा, गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र में पदस्थ नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तुषार मानिक के साथ कथित मारपीट और अभद्र व्यवहार के मामले ने अब प्रदेशभर के राजस्व कर्मचारियों में आक्रोश पैदा कर दिया है। इस घटना के विरोध में गरियाबंद जिला राजस्व पटवारी संघ ने प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन जारी कर दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर राजस्व कर्मचारी आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

पटवारी संघ द्वारा जारी ज्ञापन के अनुसार 27 मई 2026 को उप तहसील राजापुर, तहसील मैनपाट, जिला सरगुजा में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ कथित रूप से अपमानजनक व्यवहार, अभद्रता और मारपीट की घटना हुई। संघ ने आरोप लगाया है कि इस घटना में क्षेत्र के विधायक रामकुमार टोप्पो तथा उनके समर्थक और सहयोगी शामिल थे।

संघ ने कहा है कि किसी शासकीय अधिकारी के साथ सार्वजनिक रूप से इस प्रकार का व्यवहार न केवल सरकारी कर्मचारी की गरिमा पर हमला है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था और कानून के शासन को भी खुली चुनौती देने जैसा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यदि जनप्रतिनिधियों द्वारा शासकीय सेवकों के साथ इस तरह की घटनाएं की जाती हैं तो इससे पूरे प्रशासनिक अमले में भय और असुरक्षा का वातावरण बनता है।

राजस्व पटवारी संघ ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई है। संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि वह छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की सभी मांगों का पूर्ण समर्थन करता है और प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की अपेक्षा रखता है।

संघ ने सरकार और प्रशासन को आगाह करते हुए कहा है कि यदि मामले में जल्द और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो राजस्व कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होंगे। ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

यह ज्ञापन राजस्व पटवारी संघ जिला गरियाबंद की ओर से कार्यकारी जिला अध्यक्ष के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रदेशाध्यक्ष राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ सहित जिले के सभी तहसील अध्यक्षों को भी प्रेषित की गई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजनाः लोगों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का एक व्यापक अभियान : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के हितग्राही श्री आनंद कुमार पवार से उनके निवास पर आत्मीय मुलाकात कर योजना से आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने परिवार से संवाद कर जाना कि किस प्रकार एक जनकल्याणकारी योजना ने उनके जीवन में आर्थिक राहत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद जगाई है।मुख्यमंत्री श्री साय से चर्चा के दौरान श्री आनंद कुमार पवार ने बताया कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1200 से 1500 रुपये तक आता था, जो सीमित आय वाले परिवार के लिए एक बड़ा आर्थिक बोझ था। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत घर में सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद बिजली बिल पूरी तरह समाप्त हो गया और अब परिवार को बिजली खर्च की चिंता से पूरी तरह मुक्ति मिल गई है।

श्री पवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री को बताया कि पहले उनका परिवार केवल बिजली का उपभोक्ता था, लेकिन अब वे स्वयं बिजली उत्पादन भी कर रहे हैं। इससे न केवल आर्थिक बचत बढ़ी है, बल्कि परिवार में आत्मनिर्भरता का भाव भी मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि हर महीने होने वाली बचत अब परिवार की अन्य जरूरतों और बच्चों के भविष्य पर खर्च की जा रही है।

मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान श्री पवार ने यह भी बताया कि योजना के लिए आवेदन करने के लगभग एक माह के भीतर उन्हें सब्सिडी प्राप्त हो गई। साथ ही बैंक से सरल प्रक्रिया के तहत ऋण भी उपलब्ध कराया गया, जिससे सोलर संयंत्र लगाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आई। शेष राशि का भुगतान आसान मासिक किश्तों में किया जा रहा है, जिससे परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ा।

श्री आनंद कुमार पवार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके परिवार को केवल बिजली बिल से राहत ही नहीं दी, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी दिया है। उन्होंने कहा कि अब उनका परिवार स्वच्छ ऊर्जा से जुड़कर भविष्य की ओर अधिक भरोसे के साथ देख रहा है।

उल्लेखनीय है कि श्री आनंद कुमार पवार, पिता श्री चमन लाल पवार का घर बस्तर संभाग का पहला ऐसा प्रधानमंत्री आवास है, जहां प्रधानमंत्री सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर सिस्टम स्थापित किया गया है।

सभी पांच निकायों में खिलेगा कमल, भाजपा प्रत्याशियों की होगी प्रचंड जीतः अरुण साव

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, प्रदेश के चार नगर पंचायत में चुनाव और एक नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की जीत होगी। पांचों निकाय में भाजपा के पक्ष में भारी जनसमर्थन है।

श्री साव ने नवा रायपुर अटल नगर में पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया कि, नगर पंचायत सहसपुर लोहारा, बम्हनीडीह, शिवनंदनपुर, पलारी और घुमका में जाना हुआ। पांचों नगर में सरकार के विकास कार्यों को लेकर खासा उत्साह है और यह उत्साह सरकार के पक्ष में दिख रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में उत्साह है। श्री साव ने कहा कि, पिछले ढाई सालों में सरकार ने शहरों की दशा और दिशा बदली है, शहरों के सुव्यवस्थित विकास की योजना बनाकर काम किया है। इसलिए शहर की जनता भारतीयजन को ही मौका देगी और निश्चित रूप से इन सभी पांच निकायों में कमल खिलेगा। भारतीय जनता पार्टी जीतेगी।

गौरतलब है कि, प्रदेश के चार नवगठित नगरीय निकायों में अध्यक्ष, पार्षद पदों के लिए चुनाव और सहसपुर लोहारा नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए उपचुनाव हो रहा है। आज पांचों नगर पंचायत में वोटिंग जारी है।

आयुक्त ने स्थानीय पार्षद के साथ स्मृति नगर वार्ड का किया निरीक्षण

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत साफ-सफाई, अवैध प्लाटिंग, नाला सफाई सहित अन्य कार्यो का बारिकी से निरीक्षण किये। उपस्थित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करने निर्देशित किये हैं।

निगम आयुक्त, पार्षद मुकेश कुमार अग्रवाल के उपस्थिति में वार्ड क्रं. 02 स्मृति नगर के वार्डो का जायजा लिये। वार्ड में साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किये और सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने कहा गया है, जिससे स्थानीय निवासियों को स्वच्छ वातावरण मिले। बरसात में अधिक वर्षा होने से निचली जगहो पर जलभराव हो जाता है, जिससे नागरिको को परेशानी होती है, ऐसे डूबान क्षेत्र के समस्या को सुधार कराने निर्देशित किये हैं। वार्ड में ही कुछ अवैध प्लाटिंग कर नागरिको को बेच दिया गया है। खरीदीकर्ताओं द्वारा निर्माण भी किया जा रहा है, उन अवैध प्लाटिंगकर्ताओं पर कड़ी कार्रवाई करने निर्देशित किया गया है। समीपस्थ बरसात से पूर्व बड़े नाला की सफाई कराने कहा गया है, जिससे बरसात का पानी न रूके। स्मृति नगर में कुछ माह पूर्व नाली निर्माण किया गया है, जो अव्यवस्थित हो गया है।

विकासः विधायक पुरन्दर मिश्रा ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने आज शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 अंतर्गत न्यू शांति नगर एवं गीतांजलि नगर में विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास की नई सौगात प्रदान की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत न्यू शांति नगर की गली क्रमांक 4ष्ट एवं 3क्क में कंक्रीटीकरण कार्य तथा गीतांजलि नगर में नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से निरंतर विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़कों का कंक्रीटीकरण एवं व्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होती है। इन कार्यों के पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी तथा स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण का निर्माण होगा। विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि उत्तर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को समान प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर प्रदेशभर में चला नशामुक्ति जागरूकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में नशामुक्ति एवं जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन तथा सचिव सुश्री पायल टोपनो के निर्देशन में संपन्न हुआ अभियान के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठियां और जनसंवाद आयोजित कर लोगों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

अवैध भैंस खटाल पर निगम की कार्रवाई

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत एक गार्डन परिसर में अवैध रूप से भैंस खटाल संचालित किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर निगम प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पाया गया कि खटाल संचालक द्वारा गार्डन परिसर का उपयोग पालतू पशुओं को रखने एवं खटाल संचालन के लिए किया जा रहा था, जिससे सार्वजनिक स्थल की स्वच्छता एवं सौंदर्य प्रभावित हो रहा था।

निगम अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर संबंधित खटाल संचालक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया तथा गार्डन परिसर से सभी पालतू पशुओं को तत्काल हटवाया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक उद्यानों एवं शासकीय परिसरों का उपयोग निजी व्यवसाय अथवा पशुपालन गतिविधियों के लिए करना नियमों के विरुद्ध है और भविष्य में ऐसी गतिविधियां पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं सौंदर्य बनाए रखने में सहयोग करें।

सुशासन तिहार छत्तीसगढ़ के विकास, जन सरोकार और जनकल्याण का नया आयाम स्थापित कर रहा हैः अमित चिमनानी

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के सुशासन और 'जनता सर्वोपरि' के संकल्प को दोहराते हुए हाल ही में जनता से दुर्व्यवहार करने वाले अधिकारी रूपेश पांडे के निलंबन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य की संवैधानिक व्यवस्था में जनता का अपमान और गुण्डागर्दी किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में चल रहा सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है। तीन चरणों में आयोजित सुशासन तिहार में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसंवाद को बढ़ावा मिल रहा है, जिसका उद्देश्य शासन को जन-केंद्रित बनाना, जन सरोकार, जन विश्वास को मजबूत करना और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करना है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री चिमनानी ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य जनता के बीच शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करना और जनता-शासन के बीच संवाद का सेतु बनाना है। सुशासन तिहार में जनता की आवाज को न केवल सुना जा रहा है, बल्कि त्वरित कार्रवाई के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा रहा है।

वन विभाग में जवाबदेही का दौर शुरू, केदार कश्यप ने लंबित विभागीय जांचों पर दिखाई सख्ती

रायपुर (विश्व परिवार)। वन मंत्री केदार कश्यप ने वन विभाग में वर्षों से लंबित विभागीय जांच प्रकरणों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए आगामी तीन माह के भीतर सभी पुराने मामलों का अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के बाद यदि पुराने प्रकरण असामान्य अथवा अत्यधिक विलंब से प्रस्तुत किए जाते हैं, तो संबंधित जांचकर्ता एवं प्रस्तुतकर्ता अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, वन विभाग को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि विभागीय जांच मामलों में अनावश्यक देरी प्रशासनिक कार्यप्रणाली को कमजोर करती है और कर्मचारियों को वर्षों तक मानसिक, सामाजिक तथा सेवा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शासन व्यवस्था में निर्णयहीनता और अनावश्यक विलंब के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अनेक मामलों में विभागीय जांच प्रस्ताव 4 से 5 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद प्रस्तुत किए जाते हैं, जबकि कुछ प्रकरण संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने के बाद भेजे जाते हैं। यह स्थिति सुशासन, जवाबदेही और संवेदनशील प्रशासन की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक प्रकरण लंबित रहने से अभिलेखों और साक्ष्यों के परीक्षण में कठिनाई आती है तथा विभागीय कार्यवाही की गंभीरता और प्रभावशीलता भी प्रभावित होती है। कई कर्मचारी वर्षों तक बिना किसी निर्णय के अनिश्चितता की स्थिति में कार्य करने को विवश रहते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का काम सूचनाओं की बम वर्षा करना नहीं है। इसका काम मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण होना चाहिए।

संपादक नाम की संस्था कमजोर हो रही हैः अरविन्द कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार अरविन्द कुमार सिंह ने कहा कि मौजूदा दौर में कन्टेन्ट इसलिए कमजोर है क्योंकि संपादक की संस्था कमजोर हो रही है। संवाददाता किसी भी अखबार का प्रतिनिधि होता है। आज के दौर में हम सूचना व संचार क्रान्ति के दौर में हैं लेकिन यह नहीं जान पाते कि पड़ोस में कौन रह रहा है। तकनीक ने अखबारों की लागत थोड़ी कम की है। उन्होंने कहा कि जनमोर्चा में संपादक की संस्था पहले भी मजबूत थी और आज भी है। उन्होंने कहा कि कारपोरेट चाहता है कि आप पेपरलेस हो जायें क्योंकि अखबार में छपने का मतलब सत्यता है। किसान आन्दोलन के समय पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे एक कम पढ़ा लिखा आदमी आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है।

उन्होंने कहा कि किसान आन्दोलन ने गांव के लोगों को अखबार पढ़ना सिखा दिया। उन्होंने कहा कि आने वाला समय भाषाई पत्रकारिता का है।

आज का दौर डिजिटल पत्रकारिता का दौर हैः शीतल पी सिंह

वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह ने कहा कि आज का दौर डिजिटल पत्रकारिता का दौर है। हर हाथ में मोबाइल है लोग सूचनाओं तक जल्दी पहुंच जा रहे हैं। पहले के दौर में हम लोग हाथ से खबर लिखकर भेजते थे आज वहीं मोबाइल पर देख ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में अगर हम पत्रकार हैं तो हमें आज के चैलेंज को समझना होगा। हम पुराने दौर में पड़े नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि दुनिया में तकनीक के साथ-साथ मालिकाना भी बदल रहा है। डिजिटल पत्रकारिता को नियन्त्रित करने वाली दोनों कम्पनियां अमेरिका की हैं। आज के दौर में कोई भारतीय नहीं है जो गूगल, मेटा व एक्स जैसा प्लेटफार्म विकसित कर सके। उन्होंने कहा कि एआई प्रयोग करने का लक्ष्य तय होना चाहिए। दुनिया का संचालन पूंजी के हाथ में है। गूगल पर सब पता चल जायेगा कि वैश्विक स्तर पर भारत में किसी की आय में कोई वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जिस तरह से गर्मी बढ़ी है उसका कारण पेड़ों को बड़ी संख्या में काटा जाना है। तमाम पेड़ उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए कटवाये जा रहे हैं उनके लिए कोई कानून नहीं है।

पहले अखबार के मालिक संपादकों को नियन्त्रित नहीं करते थेः चन्द्रेश्वर

साहित्यकार चन्द्रेश्वर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हिन्दी पत्रकारिता में हिन्दी की लघु पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पहले के दौर में पत्रिकाओं में छपने वाली रचनाओं व कथाओं को मालिकों द्वारा नियन्त्रित नहीं किया जाता था। उस समय अखबार का मालिक संपादकों को नियन्त्रित करने का काम नहीं करता था। आज के दौर में साहित्यक पत्रिकाओं के पाठक घटे हैं पहले की बड़ी पत्रिकाएं भी लघु पत्रिकाओं की श्रेणी में आ गयी हैं।

उन्होंने कहा कि अखबार व पत्रिकाओं में छपे हुए शब्दों की क्रेडिबिल्टी होती है। आज के दौर में अखबार घरों में आ तो रहे हैं लेकिन डिजिटल दौर में पढ़े नहीं जा रहे हैं।

व्याख्यानमाला एवं संगोष्ठी का संचालन जनमोर्चा की संपादक डा. सुमन गुप्ता ने किया। अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन जनमोर्चा के स्थानीय संपादक रामकुमार सिंह ने किया और कहाकि जनमोर्चा परिवार को चुनौतीपूर्ण समय में आगे बढ़ने की ताकत मिली। प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेन्द्र श्रीवास्तव ने मांग की कि जनमोर्चा के संपादक रहे शीतला सिंह को केन्द्र सरकार पद्म श्री सम्मान से सम्मानित करे। इसके लिए हमारे मंच पर बैठे अतिथिगण भी प्रयास करें।

संगोष्ठी में आये हुए वक्ताओं का स्वागत प्रकाशन सहकारी समिति के अध्यक्ष अतुल कुमार सिंह, जनमोर्चा के स्थानीय संपादक रामकुमार सिंह, सह संपादक सूर्यनारायण सिंह, प्रबन्धक सुरेश यादव, प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेन्द्र श्रीवास्तव, सचिव जयप्रकाश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रमेश त्रिपाठी व सुनील यादव ने पुष्पगुच्छ भेंटकर किया।

इस मौके पर सपा नेता पूर्व विधायक जयशंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार हरिकृष्ण अरोड़ा, प्रो. रघुवंशमणि, अमृत विचार के स्थानीय संपादक विवेक सक्सेना, पत्रकार अशोक मिश्र, पूर्व विधायक हुबराज, सपा नेता छेदी सिंह, साहित्यकार पूनम सूद, पत्रकार इन्दुभूषण पाण्डेय, त्रियुग नारायण तिवारी, ओमप्रकाश सिंह, सुनीता पाण्डेय, सरोज यादव, कांग्रेस नेता राजेन्द्र प्रताप सिंह, पेट्रोलियम डीलर्स एसोशिएसन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह, पूर्व प्राचार्य डा. अभय सिंह, खादी संस्था मंत्री सर्वजीत पाण्डेय, प्रबन्धक यमुना प्रसाद अवस्थी, लेखाधिकारी रामदास पाण्डेय, भाकपा नेता सूर्यकान्त पाण्डेय, मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष अम्बरीश सिंह, क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस सोसाइटी के मंत्री अनिल सिंह, बोर्डिंग सदस्य अनिल सिंह, रामकेर सिंह, डा. अनिल सिंह, कामरेड अशोक तिवारी, भाजपा नेत्री मधु पाठक, कवि डा. विशाल श्रीवास्तव, विजय शंकर पाण्डेय, आरपी सिंह, अंजनी तिवारी, प्रदीप पाठक, डा. विवेक कुमार सिंह, डा. चक्रवर्ती सिंह, रालोद नेता रामसिंह पटेल, एसएन बागी, सरोज दूबे, दीपकृष्ण वर्मा, स्वप्निल श्रीवास्तव, रूबी सोनी, हरिप्रसाद दूबे, प्रेम कुमार पाण्डेय, मोतीलाल तिवारी, रवीन्द्र कबीर, दीपक वर्मा, आरडी आंनद, सत्यभान सिंह जनवादी, श्याम बाबू गुप्ता, दीपसहाय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व जनमोर्चा परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

पीएम मोदी की 'मन की बात' सुन डॉ. वर्णिका ने सुनी बच्चों के मन की बात

- पीएम मोदी की 'मन की बात' से प्रेरित हुए बाल आश्रम के बच्चे, वर्णिका शर्मा ने कराई आम प्रदर्शनी की सैर

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण का श्रवण छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा ने बाल आश्रम के बच्चों के साथ किया। इस दौरान बच्चों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को उत्साहपूर्वक सुना।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के युवा धावक अनिमेष कुजूर की उपलब्धियों का विशेष उल्लेख किया। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि देश के युवा खिलाड़ी लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं और अनिमेष कुजूर इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ी की सराहना होने से बच्चों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। वहीं, प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में देश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध आमों और गर्मी के मौसम में पारंपरिक पेय पदार्थों का भी जिक्र किया। आम की विभिन्न प्रजातियों के बारे में सुनकर बाल आश्रम के बच्चों ने आम के प्रति विशेष रुचि दिखाई और आम प्रदर्शनी देखने की इच्छा व्यक्त की। बच्चों की इस मांग को देखते हुए राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने तत्काल पहल करते हुए बच्चों को आम प्रदर्शनी ले जाने के लिए विशेष बस की व्यवस्था कराई। प्रदर्शनी में बच्चों ने विभिन्न किस्मों के आमों को देखा, उनके बारे में जानकारी प्राप्त की और इस अनूठे अनुभव का आनंद लिया।

दवाई दुकानों में चोरी, सीसीटीवी में नकाबपोश कैद

बालोद (विश्व परिवार)। जिले में चोरों के हौसले बुलंद हैं. करहीभदर गांव में दो नकाबपोश चोरों ने रविवार रात दो मेडिकल दुकान को निशाना बनाया. चोर दुकानों के ताले तोडक़र अंदर घुसे और करीब 52 हजार रुपये नकद समेत चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. जानकारी के मुताबिक, पूरी वारदात कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत करहीभदर गांव का है. सीसीटीवी फुटेज में दो नकाबपोश चोर दुकान के शटर का ताला तोड़ते दिखाई दे रहा हैं.

अब प्रमाण पत्र से लेकर बैंकिंग, बीमा, पेंशन और ऑनलाइन सेवाएं गांव में ही उपलब्ध

गांव के द्वार पहुंची डिजिटल सरकारः बड़ेकनेरा का 'सेवा सेतु' मॉडल बना ग्रामीण सुशासन की नई मिसालः साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में स्थापित अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का निरीक्षण कर ग्रामीण डिजिटल सुशासन के अभिनव मॉडल 'सेवा सेतु' की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से सीधे संवाद कर योजनाओं की पहुंच, पारदर्शिता और प्रभाव के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ ग्रामीणों को उनके गांव में ही सहज, सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि 'सेवा सेतु' अभियान और अटल डिजिटल सुविधा केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं, जिनसे आमजन को सरकारी दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर लगाने से मुक्ति मिल रही है। मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान ग्राम की हितग्राही श्रीमती कौशल्या मानिकपुरी ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से महतारी वंदन योजना की राशि प्राप्त हो रही है, जिससे घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से खेती-किसानी संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत मिली है।

इसी प्रकार श्रीमती सुमति मानिकपुरी, श्रीमती अमिल मानिकपुरी तथा श्रीमती पचमती बघेल ने मुख्यमंत्री को बताया कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बनाया है और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहारा दिया है।

गाँव के द्वार, डिजिटल सरकार' का साकार हो रहा संकल्प

ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में संचालित 'सेवा सेतु' अभियान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं को ग्रामीणों तक त्वरित, सरल और सुलभ तरीके से पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर अनेक शासकीय, वित्तीय और डिजिटल सेवाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे सुशासन की अवधारणा जमीनी स्तर पर साकार होती दिखाई दे रही है।

व्यावसायिक परिसर स्थानीय व्यापार को देगा बढ़ावा: डिप्टी सीएम अरुण साव

- अमलडीही में बनेगा अटल डिजिटल सेवा केंद्र, भवन निर्माण के लिए 5 लाख रुपए स्वीकृत

लोरमी (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक अरुण साव ने आज लोरमी के ग्राम पंचायत अमलडीही में नवनिर्मित व्यावसायिक परिसर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, गांव में 15 लाख रुपए की लागत से 6 दुकान बनी है। जिसका जल्द आवंटन होगा। यह परिसर स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीणों के लिए स्वरोजगार और नए रोजगार के अवसर सृजित करेगा।

श्री साव ने कहा कि, साय सरकार का संकल्प गांवों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। जनसुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास कार्य निरंतर जारी है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने ग्रामीणों से कहा कि, लोरमी में विकास कार्यों की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दे रही है। क्षेत्र में चारों ओर सड़कों का निर्माण हो रहा है। फोर लेन सड़कों का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि ग्राम में पिछले ढाई वर्षों में विकास कार्यों के लिए कुल 29 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। यहां अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को घर के निकट ही ऑनलाइन शासकीय दस्तावेज प्राप्त होगी। इसके भवन निर्माण के लिए 5 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। श्री साव ने कहा कि सुशासन सरकार में विकास की योजनाएं हर घर तक पहुंच रही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सभी गारंटियों को पूरा किया है।

समर कप 2026 में पेनल्टी शूटआउट का रोमांच
चौथे दिन युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

- 15 में एलीट स्त्र और भिलाई स्त्र का शानदार प्रदर्शन, हर मैच में दिखा जज्बा और जुनून

रायपुर(विश्व परिवार)। ब्रह्मविद स्पोर्ट्स सेंटर, रायपुर में आयोजित समर कप 2026 के चौथे दिन फुटबॉल प्रेमियों को रोमांच से भरपूर मुकाबले देखने को मिले। अंडर-17 और अंडर-15 आयु वर्ग के मैचों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। दिन की खास बात यह रही कि अधिकांश मुकाबलों का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसने दर्शकों की धड़कनें आखिरी क्षण तक बढ़ाए रखीं।

अंडर-17 वर्ग के पहले मुकाबले में ब्रह्मविद स्त्र और भारत माता स्त्रष्ट के बीच जोरदार संघर्ष देखने को मिला। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में ब्रह्मविद स्त्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की और अगले दौर में अपनी जगह मजबूत की। दूसरे मुकाबले में एलीट स्त्रष्ट और शेरा स्त्रष्ट के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। दोनों टीमें नियमित समय में कोई गोल नहीं कर सकीं और मैच 0-0 से बराबरी पर समाप्त हुआ। पेनल्टी शूटआउट में शेरा स्त्रष्ट ने 3-2 से जीत हासिल कर अपनी चुनौती बरकरार रखी। दिन के तीसरे मुकाबले में भिलाई FA ने स्पोर्ट्स हब को 1-0 से पराजित किया। मैच का एकमात्र गोल भिलाई FA के भव्येश ने किया, जो टीम की जीत का आधार बना। अंडर-15 वर्ग में एलीट FA भिलाई का दबदबा अंडर-15 वर्ग के पहले मैच में एलीट FA भिलाई ने ब्रह्मविद ब्लू को 1-0 से हराया।

रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का सफल आयोजन

रायरपु (विश्व परिवार)। गुरु गोविंद सिंह वार्ड क्र. 29 बूथ क्र. 100-101 जगन्नाथ नगर सामुदायिक भवन में वार्ड-29 के पार्षद कैलाश बेहरा के नेतृत्व में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट आदरणीय बड़े भैया श्री पीयूष मिश्रा जी की गरिमामयी उपस्थिति प्राप्त हुई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायी विचारों को सभी उपस्थित जनों ने एकाग्रता के साथ सुना तथा राष्ट्र निर्माण, आत्मनिर्भर भारत, सामाजिक सहभागिता एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक श्री प्रीतम महानंद जी एवं कार्यक्रम प्रभारी श्री राधेश्याम बाघ जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से शंकर नगर मंडल उपाध्यक्ष श्री आकाश तिवारी जी, शंकर नगर मंडल महिला मोर्चा अध्यक्षा श्रीमती उमा रात्रे जी, जिला महिला मोर्चा पदाधिकारी श्रीमती मीना सेन जी, श्रीमती गायत्री चंद्राकर जी, श्री डोमन वर्मा जी, श्री गणेश निर्मलकर जी, श्री कमल हरपाल जी, श्री खेमा सागर जी, श्री राजेश ताँड़ी जी, श्री सहदेव महानंद जी, श्री भास्कर धनकर जी, श्री हूरदा दीप जी, श्री बाबूलाल जगत जी, श्री सुशील हरपाल जी, श्री शिव महानंद जी, श्री तुलेश यादव जी एवं श्री अमन बेहरा जी, श्री विजय चौबे जी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं वार्ड के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार ने महिलाओं को धोखा दियाः वंदना राजपूत

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा सरकार महिलाओं को धोखा दे रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं को धोखा दिया, पहले रोजगार का वादा कर वोट लिया अब भूल गए। सरकार की बदनीयती के कारण प्रदेश की 3 लाख से अधिक महिलाएं जो स्व सहायता समूह के माध्यम से रोजगार प्राप्त करती थी, बेरोजगार हो गयी है। भाजपा सरकार चुनाव में वादा करने के बाद उनको काम नहीं दे रही है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा ने चुनाव में वादा किया था पूरे प्रदेश में महिला समूहों को रेडी टू ईट का काम दिया जाएगा। सरकार में आने के बाद इसको भूल गए। जब विपक्ष और महिलाओं ने मांग किया तब एक साल पहले घोषणा किया कि पहले 6 जिलों में महिलाओं को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम देंगे, फिर सभी जिलों में देंगे। ढाई साल हो गया सिर्फ रायगढ़ जिले के कुछ प्रोजेक्ट में केवल 10 समूहों को एवं दंतेवाड़ा जिले के कुआंकोंडा ब्लॉक में काम दिया गया, पूरे जिले में नहीं। सभी 6 जिले की महिलाएं आज भी काम के इंतजार में है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि जब 6 जिले में ढाई साल में काम नहीं दे पाए, तब पूरे प्रदेश में क्या देंगे? यह सरकार की बदनीयती है।

साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन के चार फेरे रद्द

रायपुर (विश्व परिवार)। यात्रियों की सुविधा के लिए समर सीजन में लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT) - सांतरागाछी (SRC) - लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन (01001/01002) 21 अप्रैल से 16 जुलाई 2026 तक संचालित की जा रही थी। यात्रियों की संख्या कम होने के कारण यह गाड़ी 04 फेरो के लिए रद्द कर दी गई है। गाड़ी संख्या 01001 लोकमान्य तिलक टर्मिनस संतरागाछी समर स्पेशल दिनांक 23 एवं 30 जून को तथा 07 एवं 14 जुलाई 2026 को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 01002 सांतरागाछी - लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) समर स्पेशल ट्रेन दिनांक 25 जून, 02, 09 एवं 16 जुलाई 2026 को रद्द रहेगी।

मुख्यमंत्री का कड़ा संदेशः जनता से अशिष्ट व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस, दुर्ग जनपद सीईओ निलंबित

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से अशिष्ट व्यवहार और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दुर्ग संभागायुक्त को दिए थे। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशों के परिपालन में कमिश्नर दुर्ग ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग, श्री रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। संभागायुक्त दुर्ग द्वारा जारी निलंबन आदेश में उल्लेखित है कि कलेक्टर दुर्ग से प्राप्त प्रस्ताव एवं ग्राम थनौद में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में श्री पाण्डेय द्वारा आम जनता से अशिष्ट व्यवहार संबंधी वीडियो क्लिप के अवलोकन से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार एवं शिविर में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही तथा अशिष्टतापूर्ण व्यवहार किया। यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम के विपरीत है। इस संबंध में संभागायुक्त दुर्ग द्वारा श्री पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किंतु उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया।

छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के तहत प्रत्येक शासकीय सेवक को सदैव पूर्ण रूप से सत्यनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण रहना है तथा ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जो शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय हो।

चंदखुरी में बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी बैंकिंग सेवाओं के विस्तार एवं ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चंदखुरी में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया। शाखा का उद्घाटन श्री अजय कुमार यादव, आईपीएस, निदेशक, राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी, रायपुर एवं श्री दिवाकर पी. सिंह, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, रायपुर अंचल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

उद्घाटन समारोह में श्री राज बीर सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक एवं श्री अंकित जायसवाल, उप क्षेत्रीय प्रबंधक सहित बैंक के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राहक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने शाखा परिसर का अवलोकन कर बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर अतिथियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा बैंकिंग सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि चंदखुरी में नई शाखा के प्रारंभ होने से क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों एवं उद्यमियों को बैंकिंग सेवाएं अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक रूप से उपलब्ध होंगी। इससे न केवल ग्राहकों को लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

ज्ञापन रायपुर पश्चिम के वर्तमान विधायक लोगों की समस्याओं को कर रहे अनसुनाः विकास उपाध्याय

बिजली कटौती के कारण जनता त्रस्त, विकास उपाध्याय ने वरिष्ठ जनों के साथ रायपुर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव, छाया सांसद एवं रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय आज क्षेत्र के वरिष्ठ जनों व आमजनों के साथ रायपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे। राजधानी रायपुर में गुढ़ियारी का क्षेत्रफल घनी आबादी वाला है जहाँ बिजली की समस्या सबसे अधिक है और इसी कारण पूर्व की भूपेश बघेल की सरकार में बिजली विभाग को आवश्यकता से अधिक फण्ड मुहैया करवाया ताकि आम जनता को बिजली संबंधित समस्या न झेलनी पड़े, जिसकी राशि अभी भी बिजली विभाग के पास रखी हुई है। वहीं विद्युत सब स्टेशन हेतु फण्ड जारी हुआ था लेकिन जगह नहीं मिलने के कारण कार्य अधूरा पड़ा है। रायपुर शहर में नजूल एवं ट्रस्ट की की पर्याप्त जगह उपलब्ध है जिसके अध्यक्ष कलेक्टर स्वयं होते हैं। वह चाहे तो नजूल की जगह एवं ट्रस्ट वालों से बात कर बिजली विभाग को सब स्टेशन हेतु जगह आबंटन करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती, लो वोल्टेज, एक फेस गोल, ट्रांसफार्मर फेल और महंगी बिजली बिल की समस्या शीर्ष चरम पर पहुँच चुकी है, लगातार विद्युत समस्याओं को लेकर प्रदेश में सरकार के खिलाफ आंदोलन चल रहा है। उपाध्याय ने बताया कि रायपुर पश्चिम की जनता अपने क्षेत्रीय विधायक से भी परेशान हो चुकी है क्योंकि वे क्षेत्रहित व जनहित में कार्य करना ही नहीं चाह रहे, उनके पास बार-बार क्षेत्रवासी गुहार लगाते हैं लेकिन जनता की आवाज अनसुनी रह जाती है। राजधानी रायपुर की जनता भी विद्युत की समस्या से अत्यंत दुखी हो चुकी है जिस कारण आमजन और वरिष्ठजनों ने पूर्व जनसेवक विकास उपाध्याय से कलेक्टर को मिलने की आशा व्यक्त की, जिस पर तत्काल उपाध्याय ने संज्ञान लेकर कलेक्टर से चर्चा कर उनसे समय लिया और आज जनता की विद्युत समस्या को लेकर पश्चिम विधानसभा क्षेत्रवासी व रायपुर के वरिष्ठ जनों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुँच गये। उपाध्याय ने कहा कि राजधानी रायपुर में गुढ़ियारी का क्षेत्रफल घनी आबादी वाला है जहाँ बिजली की समस्या सबसे अधिक है और इसी कारण यहाँ पूर्व की कांग्रेस सरकार में विद्युत विभाग को सब स्टेशन हेतु फण्ड जारी हुआ था।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354